संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 323 शनिवार 27 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण को दी अनुमति

हालांकि बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण पर लगे पूर्ण प्रतिबंध की समीक्षा के लिए सभी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) से बातचीत कर निर्णय ले। कोर्ट ने कहा कि संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। लॉलाइव की रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजनारिया की पीठ ने एमसी मेहता मामले में यह आदेश पारित किया। साथ ही,कोर्ट ने एनईईआरआई और पीईएसओ से प्रमाणित ग्रीन क्रैकर (हरित पटाखे) बनाने वाले निर्माताओं को दिल्ली-एनसीआर में निर्माण की अनुमति दी है,लेकिन शर्त रखी कि इनकी बिक्री एनसीआर में नहीं होगी। सुनवाई के दौरान कुछ पक्षों ने दलील दी कि 3 अप्रैल को कोर्ट के आदेश से, जिसमें पटाखों पर लगा प्रतिबंध केवल सर्दी के मौसम तक सीमित न रहकर पूरे साल लागू कर दिया गया, 2018 के अर्जुन गोपाल मामले के फैसले से टकराव पैदा हो गया है। इस पर पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे में इस समय नहीं जाना चाहती। कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को यह संदेश दें कि निर्णय लेने से पहले सभी हितधारकों से चर्चा की जाए। एमसी मेहता मामले में अमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने पटाखों, जिसमें उनका निर्माण भी शामिल है, पर पूर्ण प्रतिबंध की वकालत की। उनका कहना था कि एनसीआर में निर्माण की अनुमति देने से अंततः वहां बिक्री और उपयोग भी शुरू हो जाएगा। वहीं, निर्माताओं की ओर से वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह (एओआर देवांश श्रीवास्तव के साथ) और के. परमेश्वर ने कड़े नियमों के तहत निर्माण की अनुमति देने की मांग की।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका

अमेरिका में सिखों पर टिप्पणी मामले में याचिका खारिज

प्रयागराज,26 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। अब उनके खिलाफ सिखों पर टिप्पणी मामले में वाराणसी कोर्ट में मुकदमा चलेगा। दरअसल, पिछले साल अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी ने कहा था...लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी और कड़ा पहने का अधिकार है। राहुल के इस बयान के खिलाफ नागेश्वर मिश्रा ने वाराणसी की मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने एमपी/एमएलए कोर्ट में दोबारा याचिका दायर की, जिसे 21 जुलाई, 2025 को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। एमपी/एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 3 सितंबर को बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। 10 सितंबर, 2024 को अमेरिका में राहुल ने कहा था...भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं? क्या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे? ये चिंता सिर्फ सिखों की नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। देश सबका है, यह बीजेपी नहीं मानती। भारत एक संघ है। संविधान में साफ लिखा है। भारत एक संघ राज्य है, जिसमें विभिन्न इतिहास, परंपराएं, संगीत और नृत्य शामिल हैं। बीजेपी कहती है कि ये संघ नहीं है,ये अलग है।

एच-1 बी वीजा के नए नियम तैयार करते वक्त योगदान का भी रखें ध्यान : जायसवाल

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025 (ए)। भारत ने आशा जतायी है कि अमेरिका के नए एच-1बी वीजा नियम तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कुशल प्रतिभाओं के आदान-प्रदान ने दोनों देशों में तकनीक, नवाचार और विकास में योगदान दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में नए एच-1बी वीज़ा नियमों पर प्रश्नों का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि हमने प्रस्तावित नियम-निर्माण के संबंध में अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के नोटिस को देखा है। वे समझते हैं कि उद्योग सहित सभी हितधारकों के पास अपना पक्ष रखने के लिए एक महीने का समय है। उन्होंने कहा कि कुशल प्रतिभाओं के आवागमन ने अमेरिका और भारत में प्रौद्योगिकी विकास,नवाचार,आर्थिक विकास,प्रतिस्पर्धात्मकता और धन सृजन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। भारत उद्योग सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखेगा और आशा करता है कि इन कारकों पर उचित विचार किया जाएगा।

पीएम मोदी ने बिहार में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की...

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में कानून का राज : पीएम मोदी

बिहार की 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार मिले

पटना,26 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में वर्चुअली 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की। शुक्रवार को 75 लाख महिलाओं के खातों में प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की। 2020 के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में महिला वोटर्स की संख्या करीब 3.39 करोड़ है। इसके अनुसार करीब 22 फीसदी महिला वोटर्स को आज शुरू हुई योजना का फायदा मिलेगा। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, अगर देश ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते न खुलवाए होते तो क्या आज इतने पैसे हम सीधे आपके खाते में भेज पाते। आज जो पैसे भेजे जा रहे हैं, वो पूरे आपके खाते में जमा होंगे। कोई एक पैसा नहीं मार सकता है। पहले योजना का पैसा आप तक पहुंचने से पहले लूट जाता था। एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

पीएम बोले...पहले जलावन ढोने में महिलाओं का जीवन बीत जाता था...

पीएम ने कहा, उज्जवला योजना से पहले महिलाएं चूल्हे के धुएं से परेशान थीं। बिहार की महिलाओं का जीवन जलावन ढोने में बीत जाता था। चूल्हे के धुएं से 400 सिगरेट के बराबर होने वाले धुआं से कैंसर नहीं होगा तो क्या होगा। ये दर्द किसी किताब में नहीं लिखा, इससे मेरी बिहार की बहनें गुजरी हैं। लेकिन जब इन चीजों को ध्यान में रखकर एनडीए सरकार ने योजनाएं बनाई तो उनके घर में रसोई गैस पहुंचा। उन्हें धुएं से मुक्ति दी। इसने बिहार की रसोई ही नहीं महिलाओं के जीवन को भी उज्जवल बना दिया है।

जीविका दीदी की बातें सुनकर मुस्कुरा दिए पीएम

भोजपुर की रीता देवी की बातें सुनकर प्रधानमंत्री मुस्कुरा दिए। उन्होंने कहा, आप कितनी जल्दी-जल्दी बोलती हैं। आपने तो इतनी सारी योजनाएं गिनवा दीं। पीएम ने हाथ जोड़कर रीता देवी का अभिवादन किया। गयाजी के नूर जहां खातून की बातें सुनकर पीएम ने कहा, आपने बढ़िया तरीके से बताता। मेरा एक काम करेंगी। आप हफ्ते में 50 दीदी को इकट्ठा कर के अपनी बातों को समझाइए। उन लोगों को इससे प्रेरणा मिलेगी।

पीएम ने कहा,आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। आज हमारी बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। हमें वो दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजक की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली है। उस समय सड़क, पुल-पुलिया का नाम तक नहीं था,इन चीजों से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को ही होती थी। राजद के राज में बिहार में खौफ था। नक्सली आतंक बेहिसाब था। इसका दर्द सबसे ज्यादा महिलाओं को सहना पड़ता था। आज जब नीतीश जी के नेतृत्व में कानून का राज लौटा है तो सबसे ज्यादा राहत महिलाओं ने महसूस की है। आज बेटियां बेखौफ होकर घर से निकलती हैं।

नीतीश का लालू पर हमला, बोले...हटा तो पत्नी को सीएम बनाया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी ऑनलाइन जुड़े थे। उन्होंने जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए कहा,बिहार में पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। 24 नवंबर 2005 से जब से एनडीए की सरकार बनी हम काम में लगे हैं। अब बिहार में कानून का राज है। हमने शुरू से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। नीतीश ने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा, ये तो हट गया था 7 साल के बाद तो पत्नी को बना दिया सीएम। इससे पहले कोई ऐसा किया था। वो केवल अपने परिवार को देखते हैं। हमलोग जनता के लिए काम करते हैं।

पीएम बोले...लिखकर रखिए बिहार को उस अंधेरे में नहीं जाने देंगे

प्रधानमंत्री ने कहा,अभी मैंने देखा जीविका दीदी ने जिस तरह से आत्मविश्वास के साथ बात की, नीतीश सरकार से पहले ये संभव ही नहीं था। मैं जब भी बिहार आता हूं इतनी बड़ी संख्या में महिला पुलिस को देखकर संतुष्टि मिलती है। ये लिखकर रखिए कि बिहार को अब फिर कभी उस अंधेरे में नहीं जाने देना है। जब केंद्र सरकार महिलाओं को ध्यान में रखकर योजना बनाती है तो उसका लाभ आपको मिलता है।

बरेली-मऊ में 'आई लव मोहम्मद' विवाद पर बवाल

जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतरी,पथराव-फायरिंग,पुलिस ने लाठीचार्ज किया

उत्तर प्रदेश,26 सितम्बर 2025 (ए)। बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद विवाद को लेकर 3 जगहों पर बवाल हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई। दरअसल, मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिमों से शहर के इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतर आई और जबरन ग्राउंड में जाने की जिद पर अड़ गई। पुलिस के मुताबिक, भीड़ को रोका गया। इस पर भीड़ ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। धार्मिक नारे लगाए और उग्र हो गए। पथराव शुरू कर दिया। छतों से भी पत्थर फेंके। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। बारादरी और प्रेमनगर क्षेत्र में भी बवाल हुआ। पुलिस ने शहर में बाजार बंद करा दिए। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। मौलाना तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष हैं। इन पर 2010 में बरेली में दंगा करवाने का भी आरोप है। मामला अभी कोर्ट में है। बरेली के डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया-95 फीसदी लोगों ने

शांति से नमाज पढ़ी और वापस चले गए। लेकिन,बाद में कुछ शरारती तत्व आए। उन्होंने पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। इसकी पूरी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई है। वहीं, मऊ में भी जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद विवाद पर बवाल हो गया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को खदेड़ा। दरअसल, वहां कुछ लोगों ने आई लव मोहम्मद का जुलूस निकालना शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया,लेकिन वे नहीं माने और नारेबाजी करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों ने जुलूस में शामिल लोगों पर लाठियां भांजकर उन्हें तितर-बितर किया। यह विवाद उत्तर प्रदेश के कानपुर में 4 सितंबर से शुरू हुआ।

डीआईजी बोले...शरारती लोगों ने पथराव-फायरिंग की

डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया- 90 से 95 प्रतिशत लोगों ने शांति से नमाज पढ़ी और वापस चले गए। लेकिन,बाद में कुछ शरारती तत्व आए। उन्होंने पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। इसकी पूरी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई है। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों में से कुछ की गिरफ्तारियां की हैं। वीडियो व फोटोग्राफिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। ये घटनाएं शहर में 3-4 जगहों पर हुईं। इनमें पुलिस के 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। फायरिंग की घटनाओं में छर्रे लगे हैं। कुछ हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह साफ है कि पहले से साजिश की गई थी। तभी अचानक इतने लोग सामने आए और पूरी तैयारी के साथ आए। मीडियाकर्मियों को भी चोटें आई हैं। जहां-जहां ये घटनाएं हुईं, वहां-वहां मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

समान नागरिक संहिता वक्त की जरूरत पर्सनल लॉ में बाल विवाह की परमिशन लेकिन पॉक्सो में क्राइम : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025 (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की वकालत की। कोर्ट ने कहा कि पर्सनल लॉ बाल विवाह की परमिशन देता है,जबकि पॉक्सो एक्ट, बीएनएस में यही अपराध है। इन कानूनों के बीच बार-बार होने वाले टकराव को देखते हुए इसकी कानूनी रूप से स्पष्ट व्याख्या जरूरी है। जस्टिस अरुण मोंगा ने पूछा कि अक्सर हम इस दुविधा में आ जाते हैं कि क्या समाज को लंबे समय से चले आ रहे पर्सनल लॉ का पालन करने के लिए अपराधी बनाया जाना चाहिए। जस्टिस मोंगा ने कहा कि क्या अब यूसीसी की तरफ बढ़ने का समय नहीं आ गया है। जिसमें एक ऐसा ढांचा बनाया जाए, ताकि पर्सनल लॉ जैसे कानून राष्ट्रीय कानूनों पर हावी न हों। दिल्ली हाईकोर्ट की यह टिप्पणी नाबालिग लड़की से शादी करने के आरोपी हामिद रजा की जमानत याचिका से जुड़े केस की सुनवाई के दौरान सामने आई। हामिद पर आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की से शादी की। रजा के खिलाफ एफआईआर लड़की के सौतेले पिता ने की थी।

लेह हिंसा के दो दिन बाद सोनम वांगचुक गिरफ्तार,मुख्यमंत्री उमर ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

लेह, 26 सितम्बर 2025 (ए)। लेह हिंसा के दो दिन बाद सोनम वांगचुक गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि लेह में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है। सोनम वांगचुक को लेह शहर में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दो दिन बाद आज गिरफ्तार किया गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से केंद्र सरकार उन्हें निशाना बना रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि यह अपरिहार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादे किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया।

पटना में अमित शाह ने बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की

विधानसभा चुनाव,उम्मीदवारों के नाम पर हुई चर्चा

पटना,26 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पटना में बीजेपी दफ्तर में पार्टी के बड़े नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया, अमित शाह ने इस बैठक के माध्यम से बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों को

लेकर समीक्षा की। साथ ही प्रदेश भर में स्क्रीनिंग के बाद उम्मीदवारों की लिस्ट उन्हें सौंपी गई। जानकारी के मुताबिक, भाजपा मुख्यालय के इंटरनेट मीडिया सेल को संबोधित करेंगे। पटना में ही उनका नाइट स्टे रहेगा। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को चंपारण और सारण के 350 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक,बेतिया के गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई। इसमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान और सारण के भाजपा के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, जिला अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य, विधानसभा प्रभारी भी शामिल हुए।

हमारी सरकार में बिहार से आईएएस निकलते थे अब मजदूर यहां 20 सालों से वोट चोरों का राज,बदलाव का वक्त है : प्रियंका

पटना,26 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने मोतिहारी के गांधी मैदान में शुक्रवार को हर घर अधिकार यात्रा को संबोधित किया। बिहार में अपनी पहली सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका ने मंच से लोगों से पूछा- का हाल बा, हाल बदलने का समय आ गया है। बदलाव का वक्त है। बदलाव लाओ। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 70 साल में जनता के अधिकारों को मजबूत किया। आपकी शक्ति को मजबूत किया। हमारी सरकार में यहां से आईएएस निकलते थे, आज यहां से सिर्फ मजदूर निकल रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस सांसद ने अडाणी, अंबानी को मोदी का दोस्त बताया। कहा- आज देश में बड़े-बड़े उद्योग अडाणी और अंबानी के हैं। ये किसके दोस्त हैं। मोदी जी के दोस्त हैं। इनका एक और दोस्त है जिसने आपके मखाने पर टैक्स लगाया है। मोदी जी उनके हाथ पकड़कर चलते हैं। कभी वो आपके हाथ पकड़कर चले हैं। अपने भाषण के दौरान उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के रिश्तों का भी जिक्र किया। प्रियंका ने ये भी कहा, सत्ता में 20 सालों से वोट चोर बैठे हुए हैं।

हमारी सरकार में कई शिक्षण संस्थान बने : प्रियंका

बीजेपी हमसे पूछती है कि कांग्रेस ने 70 सालों में क्या किया। मैं जवाब देती हूं कि कांग्रेस ने आपके अधिकारों को मजबूत किया है। आपका वोट मजबूत किया। जब बिहार में कांग्रेस सत्ता में थी, तब बड़े शिक्षण संस्थान बने। उद्योग लगे। कई बड़े बांध और सड़कें बनीं। मेरी सरकार में यहां से लोग सबसे ज्यादा आईएएस और आईएफएस बने। यह एक शिक्षित समाज था।

बिहार से बड़ी आबादी पलायन कर रही : प्रियंका

बिहार में,देश में रोजगार नहीं है। मैं पूरे देश में घूमती हूं। हिमाचल प्रदेश में मेरा घर बन रहा था। मजदूर कहां से थे? दिल्ली में जितनी भी इमारतें बन रही हैं, उनमें मजदूर कहां से हैं? केरल में मैं सड़क पर चल रही थी। मैंने रुककर एक मजदूर से पूछा,जो सड़क खोद रहा था कि वह कहां से है? पूरी आबादी पलायन कर रही है। यहां आपके लिए एक भी नौकरी नहीं बची है।

महिलाओं को मोदी-नीतीश सम्मान नहीं दे सकते : प्रियंका

20 साल की एनडीए सरकार चुनाव से कुछ दिन पहले पैसे देकर खरीदने की कोशिश कर रही है। यह सम्मान नहीं है,सम्मान तब होगा जब सही मानदेय मिलेगा,बेटियां सुरक्षित महसूस करके पढ़ने जाएंगी, लेकिन मोदी-नीतीश यह सम्मान नहीं दे सकते। आज यहां का किसान उसी परिस्थिति में है जिस परिस्थिति में गांधी जी आए थे। चुनाव पास हैं, अब देखिएगा ये लोग कैसे-कैसे ऐलान करेंगे। 10 हजार रुपए महिलाओं को देने का वादा किया। उनकी सरकार 20 साल से सत्ता में है, 20 सालों में उन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया?

बीजेपी की निकम्मी सरकार भगाओ : प्रियंका

बीजेपी की निकम्मी सरकार को भगाओ और नई सरकार लाओ,जो आपके लिए काम करे। आप गर्व से कह सको कि मैं बिहारी हूं। मुझे बिहार में नौकरी मिले। मेरा परिवार बिहार से बाहर ना जाए। प्रियंका ने लोगों से कहा, महागठबंधन को ही जिताना। इसमें आपका ही फायदा है।

मिग-21 की वायु सेना से विदाई पर राजनाथ ने रूस के साथ गहरे संबंधों को याद किया

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025 (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज चंडीगढ़ एयरबेस पर लड़ाकू विमान मिग-21 की वायु सेना के हवाई बेड़े से विदाई के समय भारत और रूस के बीच गहरे संबंधों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब हम मिग-21 को उसकी ऑपरेशनल यात्रा से विदाई दे रहे हैं तो मुझे लगता है कि हम एक ऐसे अध्याय को विदा करने जा रहे हैं, जिसे न केवल भारतीय वायु सेना के इतिहास में, बल्कि हमारी पूरी सैन्य विमानन की यात्रा में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस के सहयोग से तैयार मिग-21 ने भारतीय सैन्य विमानन यात्रा में कई गर्व के क्षण जोड़े हैं। मिग-21 का योगदान किसी एक घटना या एक युद्ध तक सीमित नहीं रहा। 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल के युद्ध तक या फिर बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक ऐसा कोई क्षण नहीं रहा,जब मिग-21 ने हमारी सेनाओं को जबरदस्त मजबूती न प्रदान की हो। उन्होंने कहा कि 1971 का युद्ध भला कौन भूल सकता है। मिग-21 ने पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान विपरीत परिस्थितियों में जिस दिन ढाका के गवर्नर हाउस पर हमला किया,उसी दिन उस युद्ध के परिणाम की रूपरेखा तय कर दी गई। इसके अलावा भी इसके लम्बे इतिहास में अनेक ऐसे मौके आए, जब मिग-21 ने अपनी निर्णायक क्षमता साबित की। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर अब तक भारतीय वायु सेना के वीरों ने भारत की सुरक्षा को मजबूती देने के लिए जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है,वह अपने आप में प्रेरणादायक है। वायु योद्धाओं की इस यात्रा में मिग-21 का भी बड़ा योगदान रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया के सैन्य विमानन के इतिहास में ऐसा कोई लड़ाकू विमान नहीं हुआ,जो इतनी बड़ी संख्या में निर्मित हुआ हो। दुनिया भर में मिग-21 के 11,500 से अधिक विमान बनाए गए और उनमें से लगभग 850 विमान भारतीय वायु सेना का हिस्सा रहे।

संपादकीय

जीएसटी अपील पंचाट शुरू

टैक्स विवाद सुलझाने में आएगी तेजी

हाल के हफ्तों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में काफी सुधार दिखे हैं। सबसे पहले तो कर दरें सरल बनाकर जीएसटी व्यवस्था को एक नया रूप दिया गया। अब जीएसटी व्यवस्था में मुख्य रूप से केवल दो दरें रह गई हैं और कुछ अहितकर वस्तुओं पर ऊंचे कर का प्रावधान किया गया है। इस कदम से जीएसटी की संरचना काफी सरल हो गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी अपील पंचाट (जीएसटीएटी) की शुरुआत की जिसे एक और बड़ा सुधार माना जा रहा है। जीएसटी संरचना में इस इकाई की कमी महसूस हो रही थी। कानून में इस इकाई का जिक्र है मगर कुछ चुनौतियों के कारण इसकी स्थापना में विलंब हो गया। इसका नतीजा अब यह होगा कि जीएसटीएटी 4,80,000 अपील के शुरुआती बोझ के साथ अपना काम शुरू करेगा। इस पंचाट का मुख्य पीठ राष्ट्रीय राजधानी में होगा और अगले वित्त वर्ष से यह अग्रिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय अपील प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा। इस तरह यह कर प्रशासन में स्पष्टता लाने में मदद करेगा। इस पंचाट में 31 राज्य पीठ होंगे और प्रत्येक में दो न्यायिक सदस्य और केंद्र और राज्य दोनों से एक तकनीकी सदस्य होंगे। शुरू में राज्य पीठों, जिनमें एक न्यायिक सदस्य का प्रावधान था,को चुनौती दी गई थी। कानून के अंतर्गत जीएसटी में त्रि-स्तरीय अपील संरचना का प्रावधान है जिनमें सबसे पहले अपील प्राधिकरण, उसके बाद अपील न्यायाधिकरण या पंचाट और अंत में उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय हैं। अब अपील पंचाट की शुरुआत के साथ जीएसटी प्रशासन में अधिक पारदर्शिता और तेजी आनी चाहिए। अब इस पंचाट की स्थापना हो चुकी है और यह अपील पर सुनवाई शुरू कर देगा, इसलिए कुछ पहलुओं पर पैनी नजर रखने की जरूरत होगी। सबसे पहले पीठों में पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं एवं मानव संसाधन होने चाहिए। बड़ी तादाद में मामले धूल फांक रहे हैं जिन पर जल्द से जल्द सुनवाई करनी होगी। पंचाट में क्षमतागत चुनौतियों से इसका हाल भी वृहद न्यायिक प्रणाली की तरह हो सकता है। इस बिंदु पर विचार करना जरूरी है कि संस्थानों के पास पर्याप्त संसाधन एवं सुविधाएं नहीं होने से दुरुस्त सोच एवं उद्देश्य वाले कानून भी औसत नतीजे ही दे पाते हैं। ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता का हाल हम देख ही चुके हैं।

असाधारण देरी,जिसके लिए आंशिक रूप से क्षमतागत बाधाएं भी जिम्मेदार हैं,से नतीजों पर गंभीर असर हो रहा है। हमें यह बात अवश्य समझनी होगी कि व्यावसायिक मामलों में समाधान में देरी होने से कारोबार करने पर लागत खासी बढ़ जाती है। पर्याप्त क्षमता के अभाव से उत्पन्न चुनौतियों के कारण निर्णयों की गुणवत्ता पर भी असर होता है जिससे न्यायपालिका में ऊंचे स्तरों पर बोझ काफी बढ़ जाता है। कर अधिकारियों को कारोबारों के खिलाफ कदम उठाने से पहले अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। कर की अत्यधिक मांग से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों तरह के करों के मामलों में विवाद काफी बढ़ जाते हैं जिन्हें दूर करना जरूरी है। यह कोई नहीं कह रहा कि कर चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए मगर इस बात का भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि सही एवं ईमानदार कारोबारियों को बेवजह प्रताड़ित नहीं होना पड़े। इसके अलावा, जीएसटी प्रणाली में कर श्रेणियां कम होने से यह अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था सरल हो जाएगी मगर प्रक्रियाओं को और सरल बनाए जाने की जरूरत है। प्रक्रिया सरल होने विवाद स्वयं ही कम हो जाएंगे। जो भी हो,देरी के बावजूद अपील पंचाट की स्थापना के बाद जीएसटी तंत्र की कार्य व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। विचाराधीन अपीलों का समाधान होने से संबंधित पक्षों के लिए स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और संभवतः भविष्य में कानूनी विवाद भी कम हो जाएंगे।

लेह में जेन जेड और अरब स्प्रिंग स्टाइल में फैलाई गई हिंसा

संजय सक्सेना

लेह-लद्दाख में हालिया हिंसक घटनाएं न केवल स्थानीय राजनीतिक सरगर्मियों को उजागर कर रही हैं,बल्कि चर्चित पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और कांग्रेस के संभावित संबंधों, विदेशी हस्तक्षेप, और केंद्र सरकार से असंतोष के मुद्दों को भी सामने ला रही हैं। सोनम वांगचुक, लद्दाख क्षेत्र को राज्य का दर्जा दिलाने और छठी अनुसूची के तहत विशेष दर्जे की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। उनकी भूख हड़ताल 10 सितंबर 2025 से शुरू हुई थी और कई नेताओं व प्रशासन के आग्रह के बावजूद वे अनशन पर डटे रहे। इस दौरान गिन-चुन कर चुने गए भाषणों में वांगचुक ने नेपाल के जेन जी मूवमेंट और अरब स्प्रिंग जैसे आंदोलनों का जिक्र किया और युवाओं को उससे प्रेरणा लेकर आगे आने को कहा। यही तथ्य केंद्र सरकार के मुताबिक हिंसा के पीछे प्रमुख कारण माना जा रहा है। हिंसा में चार लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। पुलिस और प्रशासन के कार्यालयों सहित बीजेपी के दफ्तरों में भी तोड़फोड़ और आगजनी हुई। प्रशासन ने इलाके में कर्फ्यू लगा दिया है तथा सीआरपीएफ, पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की तैनाती की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब वांगचुक अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार से मुलाकात करने वाले थे,उससे दो-तीन दिन पहले उन्होंने लद्दाख को हिंसा की आग में किस साजिश के तहत झोंक दिया। इस हिंसा के पीछे कांग्रेस की भूमिका को लेकर तीखे आरोप लगाए गए हैं। बीजेपी का आरोप है कि स्थानीय कांग्रेस पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग ने सीधे तौर पर हिंसक घटनाओं का मार्गदर्शन किया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर त्सेपाग को आरोपी बनाया है और कांग्रेस के संबंध को लेकर तस्वीरें,वीडियो भी जारी किए गए हैं। कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से नकारा है और सोनम वांगचुक भी अपने ऊपर लगे उकसावे के आरोपों का खंडन कर चुके हैं। सरकार और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों के अनुसार,आंदोलन के दौरान जब वांगचुक ने अपने भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जेड आंदोलनों का उल्लेख किया, उससे आंदोलनकारी युवा वर्ग खास तौर पर प्रेरित हुआ। इस संदेश के चलते युवा प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश में आकर सरकारी इमारतों,बीजेपी कार्यालयों और वाहनों पर हमला किया। जो भीड़ पहले शांतिपूर्वक अनशन स्थल पर थी, उसने बाद में हिंसक प्रदर्शन किए। इस पूरी प्रक्रिया को कुछ रिपोर्टों में सुनियोजित और योजनाबद्ध बताया गया है,जिसमें राजनीतिक प्रतिनिधियों के निजी स्वार्थों और साजिश की भी चर्चा हुई है। वैसे सोनम वांगचुक की छवि एक शिक्षावादी और पर्यावरण योद्धा की रही है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में उनकी राजनीतिक टिप्पणियां और बाहरी मंचों पर दिए गए भाषण चर्चाओं में रहे हैं। फरवरी 2025 में उनकी पाकिस्तान यात्रा पर भी सवाल उठे थे, जहाँ वे एक पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए थे। उस यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किए गए बयानों पर कई बार विवाद हुआ कि कहीं किसी देश-विदेश की प्रेरणा या संसाधनों की भूमिका तो नहीं। वांगचुक की ये जन जागरूकता-आधारित राजनीति अक्सर जोखिम भरी मानी जाती है क्योंकि वह बार-बार युवाओं से संगठित प्रतिरोध या गांधी के मार्ग की जगह अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अपील कर चुके हैं। उधर, केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य प्रशासन इस हिंसा और उसके पीछे की संभावित विदेशी ताकतों की भूमिका को लेकर हर एंगल से जांच कर रहे हैं। सोनम वांगचुक की पाकिस्तानी संपर्कों वाली यात्रा, 'अरब स्प्रिंग' और 'नेपाल-जेन-जेड' आंदोलनों पर बार-बार जोर, और भीड़ के हिंसक हो जाने की तमीज़ को शक की नजर से देखा जा रहा है।

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार,भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8 वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे,विपणन और सेवा वितरण में मज़बूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोज़गार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

रमेश सर्राफ
झुंझुनू,राजस्थान

विश्व पर्यटन दिवस माने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें दुनिया भर में इसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक,नैतिक और पशु कल्याण संबंधी विचार भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। 2025 का विषय ÷पर्यटन और हरित निवेश है। यह थीम स्थायी पर्यटन अवसंरचना और परियोजनाओं में निवेश की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर देती है जो समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध बनाने के साथ-साथ हमारे ग्रह की रक्षा में भी मदद करें। हरित निवेश पर्यटन व्यवसायों और यात्रियों दोनों को ऐसे विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें और सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक,धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं। यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम,फ्रांस,इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर,मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेज़ी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं। देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार,सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक,राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र

के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक,पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है। अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड,पेरिस,थाईलैंड,हॉन्गकांग, सिंगापुर,लंदन,अमेरिका,कनाडा,मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है। आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है। आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश,तटीय अफ्रीकी देश,पूर्वी एशियाई देश,कनाड़ा,आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

सड़क पर कफन बुनती सफेद लाइट

रात में तेज सफेद हेडलाइट्स सिर्फ़ आँखों को नहीं,बल्कि जीवन को भी चौंधिया देती हैं। हर साल हजारों लोग इसके कारण हादसों में मरते हैं। यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं,बल्कि पूरे परिवारों की टूटी ज़िंदगी है। समाधान आसान है - पीली हेडलाइट लगाएँ,तेज़ सफ़ेद लाइट से बचें,सरकार नियम बनाए और आम लोग जागरूक हों। जनजन गुप्ता अभियान का संदेश साफ है:सफ़ेद चमक नहीं,पीली दोस्ती चाहिए! सड़कें सुरक्षित हों, परिवार बचें और रात का सफ़र डर-मुक्त बने।

डॉ सत्यवान सौरभ

रात का सफ़र हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। अंधेरा, धुंध, बारिश - ये सभी कारक सड़क पर जोखिम बढ़ाते हैं। लेकिन आज एक नया और अनदेखा खतरा हमारी सड़कों पर फैल रहा है - वाहनों की तेज़ सफ़ेद हेडलाइट्स। यह चमक केवल आँखों को चुभती नहीं, बल्कि कई बार सड़क हादसों का कारण बनती है। भारत में हर साल लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं और लाखों लोग घायल होते हैं। इनमें से बड़ी संख्या रात के समय होती है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि इन हादसों में सफ़ेद हेडलाइट्स की तेज़ चमक की बड़ी भूमिका होती है। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं है। यह परिवारों की टूटन, बच्चों की बेबसी और मात-पिता की पीड़ा का कारण बनती है।

सफ़ेद हेडलाइट्स की रोशनी पारंपरिक पीली रोशनी की तुलना में कहीं अधिक तेज़ होती है। इंसान की आँखें नीली-सफ़ेद रोशनी के प्रति संवेदनशील होती हैं। जब यह तेज़ रोशनी सीधे सामने से आती है, तो चालक और पैदल यात्री दोनों कुछ सेकंड के लिए अंधे हो जाते हैं। इसी पल में हादसा हो जाता है। बाइक सवार गिर जाते हैं, ट्रक या बस चालक वाहन पर नियंत्रण खो देते हैं और पैदल यात्री जीवन-मृत्यु की स्थिति में फँस जाते हैं। बुजुर्ग और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि उनकी आँखें पहले से संवेदनशील होती हैं। सड़क हादसा केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है। यह पूरे परिवार की ज़िंदगी बदल देता है। बच्चे अपने माता-पिता से दूर हो जाते हैं, माता-पिता अपने बच्चों को खो देते हैं। कई परिवार हमेशा के लिए अधूरे हो जाते हैं। हादसों का आर्थिक प्रभाव भी बहुत बड़ा है। सड़क हादसों की वजह से हर साल भारत को GDP का लगभग तीन प्रतिशत नुकसान होता है। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं है; यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर खतरा है। दुनिया के कई विकसित देशों ने इस समस्या को पहले ही समझ लिया था। यूरोप, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में हेडलाइट्स की चमक और रंग पर सख्त नियम हैं। वहां पीली हेडलाइट्स को प्राथमिकता दी जाती है। यह केवल आँखों के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि बारिश और धुंध में सड़क भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन ढीला है। वाहन निर्माता गाड़ियों में चमकदार हेडलाइट्स लगाते हैं और आम लोग अक्सर इस खतरे के प्रति जागरूक नहीं होते। भारत में समस्या को और बढ़ाने वाले कारण हैं - अनियंत्रित आफ्टर-मार्केट फिटिंग, यानी लोग बिना सोचे-समझे LED हेडलाइट्स लगवा लेते हैं;कानून का पालन न होना और सड़क सुरक्षा की अनदेखी; जागरूकता की कमी, जहां अधिकतर लोग नहीं जानते कि उनकी सफ़ेद हेडलाइट दूसरों के लिए खतरा बन सकती है। इस समस्या का समाधान मुश्किल नहीं है। जरूरत है कि सरकार, वाहन निर्माता और आम लोग मिलकर काम करें। सरकार को हेडलाइट्स की चमक और रंग (कलर टेम्परेचर) पर स्पष्ट मानक तय करने होंगे। 4300K से अधिक कलर टेम्परेचर वाली सफ़ेद हेडलाइट्स पर रोक लगानी चाहिए। सड़क परिवहन विभाग को नियमित जांच और सख्त कार्रवाई करनी होगी। वाहन निर्माता डिफ़ॉल्ट रूप से सुरक्षित और पीली हेडलाइट्स लगाएँ और ब्राइटनेस के बजाय सुरक्षा को प्राथमिकता दें। साथ ही, जागरूकता अभियान बहुत जरूरी हैं। जनजन गुप्ता जैसे अभियान राष्ट्रीय स्तर पर फैलाए जाएँ। टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया पर पीली हेडलाइट लगाओ - ज़िंदगी बचाओ जैसे संदेश व्यापक रूप से साझा किए जाएँ। आम लोग खुद पहल करें, अपनी गाड़ी की हेडलाइट सुरक्षित बनाएं और अपने परिवार व मित्रों को भी जागरूक करें। जनजन गुप्ता अभियान का संदेश सीधा और असरदार है - सफ़ेद चमक नहीं, पीली दोस्ती चाहिए। यह केवल नारा नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है। यदि हम सब मिलकर इसे अपनाएँ, तो सड़कें सुरक्षित होंगी, परिवार हादसों से बचेंगे और रात का सफ़र डर-मुक्त होगा। सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करना नहीं है, यह मानव जीवन की रक्षा का सवाल है। सफ़ेद हेडलाइट जैसी छोटी चीज़ भी बड़े पैमाने पर मौत और दर्द का कारण बन सकती है। हर हादसा सिर्फ़ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की त्रासदी है। भारत में यह समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। हर दिन सड़कों पर तेज़ सफ़ेद लाइट से प्रभावित होकर दुर्घटनाएँ होती हैं। इनमें से कई हादसे जानलेवा होते हैं। बुजुर्ग, बच्चे और पैदल यात्री सबसे कमजोर होते हैं। तेज़ सफ़ेद रोशनी उन्हें अपनी दिशा में निर्णय लेने का समय नहीं देती और हादसा अनिवार्य हो जाता है।

कई परिवारों की ज़िंदगी इस वजह से हमेशा के लिए बदल जाती है। सड़क पर हुई दुर्घटना केवल सड़क हादसा नहीं है, यह सामाजिक त्रासदी है। बच्चे अपने माता-पिता से दूर होते हैं, माता-पिता अपने बच्चों से। कई परिवार कभी फिर पूरी तरह से खुश नहीं हो पाते। इसके अलावा, हादसों के कारण इलाज और रिकवरी पर बहुत खर्च होता है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित होते हैं। दुनिया में कई देशों ने पहले ही कदम उठाए। यूरोप, जापान और अमेरिका में पीली हेडलाइट्स को प्राथमिकता दी जाती है। तेज़ सफ़ेद हेडलाइट्स पर प्रतिबंध है। भारत में नियम हैं लेकिन उनका पालन कमजोर है। वाहन निर्माता चमकदार हेडलाइट्स को फैशन या मार्केटिंग के लिए बढ़ावा देते हैं, और लोग जागरूक नहीं हैं। इसका समाधान सरल है। सरकार को नियम बनाकर उनका पालन करना चाहिए। वाहन निर्माता सुरक्षित और पीली हेडलाइट्स लगाएँ। आम लोग खुद कदम उठाएँ और दूसरों को भी जागरूक करें। अभियान जैसे जनजन गुप्ता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कविता

प्रिया देवांगन
'प्रियू' राजिम
जिला-गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

आराधना

नमामि मातु शारदा नमामि मातु कालिका।
नमामि मातु अंबिका नमामि मातु राधिका।।

फबे किरीट माथ मातु केश वेणियाँ सजे।
सदैव कंठ रत्न हार हस्त चूड़ियाँ बजे।।
कपाल बिंदु चंद्रमा प्रभा बिखेरती सदा।
करे निनाद पैंजनी चले प्रसन्न मोक्षदा।।

गदा त्रिशूल शंख चक्र शस्त्र हस्त में धरे।
करे प्रचंड अट्टहास काल देख के डरे।।
कराल रूप चंडिका विनाश शत्रु का करे।
चले कटार शीश दैत्य मार पाप को हरे।।

रमा सती सरस्वती धरे स्वरूप भारती।
दयामयी सिया उमा अनंत रूप धारती।।
सवार सिंह में सदैव अंबिका विहारती।
उतारते सुजान भक्त संत नार आरती।।

सुने पुकार हो प्रसन्न भाग्य को सँवारती।
हरे प्रमाद माँ समस्त शोक से उबारती।।
कृपा करो सदैव मातु कष्ट का निदान हो।
अबोध को करो क्षमा तुम्हीं दयानिधान हो।।

सुविचार

अगर जिंदगी में कुछ पाना हो तो तरीके बदलो इरादे नहीं.

संतुलित विकास में हरा सोना है बांस

विजय गर्ग

चीन के बाद भारत दूसरा बड़ा बांस उत्पादक देश है। मगर निर्यात के मामले में चीन हमसे अब भी बहुत आगे है। वह भारत,वियतनाम, जर्मनी, नीदरलैंड और तुर्की जैसे देशों में बांस का सर्वाधिक निर्यात करता है। एक दौर में ब्रिटिश हुकूमत ने बांस को एक पौधे की श्रेणी में रखते हुए इसकी खेती और कटाई पर प्रतिबंधात्मक शर्तें लगाई थीं। दशकों तक इन दमनकारी नियमों के कारण बांस के बहुउपयोग पर कभी ध्यान दिया ही नहीं गया। बांस को खेती के रूप में स्थापित किए जाने, इससे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और पर्यावरण संरक्षण में इसके महत्त्व को देखते हुए वर्ष 2017 में भारत में बांस को घास के रूप में दोबारा वर्गीकृत किया गया। इसका बड़ा लाभ यह हुआ भर में बांस को प्रतिबंधात्मक नियमों से मुक्ति मिल गई। किसानों को आसानी से इसकी कटाई और परिवहन की अनुमति मिलने लगी। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने इसका लाभ उठाते हुए बांस विभिन्न तरह की वस्तुएं बनाने बनाने की दिशा में पहल की और देश से इनके निर्यात की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ीं। बांस की खेती बहुउपयोगी है। इससे अपशिष्ट जल का उपचार ही नहीं होता, बल्कि हवा भी शुद्ध होती है और मिट्टी का कटाव भी कम होता है। बांस तेजी से बढ़ने वाला पौधा है। यह वातावरण से कार्बन डाई आक्साइड अवशोषित करने में मदद करता है। इसे कम लागत में अधिक उपज देने वाली घास कहा जा सकता है। जंगलों के साथ- साथ शुष्क क्षेत्रों में यह उगाया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार,

बांस आमतौर पर तीन से चार वर्ष में कटाई के लिए तैयार हो जाता है। एक बार लगाने के बाद यह चालीस-पचास साल तक पैदावार दे सकता है। कटाई के बाद यह फिर से बढ़ना शुरू कर देता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा और प्राकृतिक दवाओं में भी इसका इस्तेमाल होता रहा है। बांस के पाउडर का इस्तेमाल खांसी और अस्थमा जैसे रोगों के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में इसके रस का उपयोग बुखार और गर्मी कम करने के लिए किया जाता है। दुनियाभर में कप, प्लेट, टूथब्रश, कंघे और कूड़ेदान आदि के निर्माण में बांस का उपयोगी से बढ़ रहा है। रहा है। बांस के रेशे प्राकृतिक रूप से जीवाणुरोधी होने के साथ ही नमी अवशोषित कर त्वचा को सुरक्षित और आरामदेह रखते हैं। इसलिए इसका उपयोग कपड़ा उद्योग में भी किया जा रहा है। यह बल्ली, सीढ़ी, टोकरी और चटाई आदि बनाने में तो काम आता आता ही है, इससे बनने वाले फर्नीचर भी विविध रूपों में बाजार लगे हैं। खिलौने, कृषि यंत्र और कागज बनाने सहित अन्य साज-सज्जा का समान बनाने में बांस के बढ़ते उपयोग से महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में इसकी खेती कारगर साबित हो रही है। देश- विदेश में बांस का उपयोग जैविक ईंधन तैयार करने के लिए भी किया जाने लगा है। बांस से निर्मित चारकोल का उपयोग पानी एवं वायु शोधन यंत्रों,दवाइयों और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री में किया जा रहा है। राष्ट्रीय बांस मिशन के अंतर्गत बांस के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने मनरेगा के तहत बांस की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को प्रति हेक्टेयर सात लाख रुपए तक की अनुदान राशि देने की पहल की है। सतत विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से बांस भविष्य में भारत के लिए हरा सोना साबित हो सकता है। अभी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दक्षिण के कुछ क्षेत्रों में ही बांस की खेती बड़े स्तर पर होती है। देश में इसकी खेती के प्रसार के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2017 में भारतीय वन अधिनियम 1927 में संशोधन कर बांस को पेड़ों की श्रेणी से हटा कर घास की श्रेणी में वर्गीकृत किया था। विषम परिस्थितियों में भी उग सकने वाले बांस की लगभग 136 प्रजातियां हैं, मगर इसकी बहु किस्मों के बारे में जानकारी नहीं होने के कारण इसका व्यावसायिक उपयोग भारत में अभी सीमित है। बड़े भूमि क्षेत्र पर उगने के बावजूद इसके निर्यात का लाभ हमें नहीं मिल रहा है। जबकि बांस ऐसा पौधा है, जिसके हर एक भाग का उपयोग विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग से किया जा सकता है। प्रशिक्षण के साथ इस संबंध में जागरू प्रकार से किसानों की आय वृद्धि में यह महती भूमिका निभा सकता है। तुलना में बांस का पौधा वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि दूसरे पौधों की तैंतीस फीसद अधिक कार्बन डाईडाक्साइड अवशोषित करता है और पैंतीस फीसद अधिक आक्सीजन प्रदान करता है। चीन में वर्ष वह में वर्ष 1980 के दशक में बांस की खेती के प्रयासों को गति मिली।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र डांडगांव में पहुंचा जिला प्रशासन

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों ने रखीं समस्या,शिकायत और मांग

- अधिकांश प्रकरणों का किया गया मौके पर निराकरण,पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शिविर में हुए शामिल
- हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, केसीसी, राशन कार्ड सहित अन्य सामग्रियों का किया वितरण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार आमजनों की समस्या, मांग और शिकायतों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र उदयपुर विकासखण्ड के ग्राम डांडगांव स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में किया गया। इस अवसर पर डांडगांव सहित आसपास के 13 पंचायत के ग्रामीणों ने अपनी मांग, समस्या और शिकायत संबंधी आवेदनों को वहां उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। शिविर में 180 आवेदन प्राप्त हुए एवं इनमें से 154 से आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 26 आवेदन को आवश्यक कार्रवाई कर निराकरण करने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एव धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, श्रीमती रायमुनिया करियाम,जनपद अध्यक्ष उदयपुर श्री ओमप्रकाश सिंह, ग्राम पंचायत डांडगांव के सरपंच श्री देवलोचन सिंह, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, सीईओ जिला पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल एसडीएम श्री बनसिंह नेताम सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक दी गई। वहीं पात्र हितग्राहियों को हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाईयां वितरित किए गई। टीबी, मलेरिया, टायफाईड इत्यादि से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अलावा गर्भवती माताओं को नियमित जांच, कुपोषण से बचाव के लिए पूरक पोषण आहार के संबंध में बताया गया। साथ ही शुगर, बीपी इत्यादि की नियमित जांच कराने की समझाईश दी गई। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हर व्यक्ति अपनी समस्या, शिकायत और मांग को लेकर जिला मुख्यालय नहीं जा सकता। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा आपके गांव पहुंचकर जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर के जरिए समस्या, शिकायत और मांग का निराकरण किया जा रहा है, जिसका आप सभी लाभ उठाएं। इसके अलावा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाती है, जो कि काफी फायदेमंद है। उन्होंने समस्याओं का निराकरण करने विभाग अधिकारियों को निर्देशित किया।

मंत्री ने किया ऋण पुस्तिका, केसीसी, राशन कार्ड सहित अन्य सामग्रियों का वितरण

पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने निवारण शिविर में ऋण पुस्तिका,केसीसी,राशन कार्ड,पेंशन,लीची पौधे सहित अन्य सामग्रियों का वितरण किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन कराया साथ ही गर्भवती महिलाओं को गोदभराई के तहत पौष्टिक आहार के किट प्रदान किए गए।

बिड़ला ओपन माइंड स्कूल पर लगा 1 लाख रुपए का जुर्माना

अभिभावकों से अनुचित शुल्क वसूलने का आरोप

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कई स्कूलों में पुस्तकों और अन्य शैक्षणिक सामग्री की बिक्री को लेकर अनियमितताओं की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच अम्बिकापुर जिला-सरगुजा के बिड़ला ओपन माइंड स्कूल पर जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर ने 1,00,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाया है।

क्या है पूरा मामला : सूत्रों के मुताबिक, शिकायतकर्ता राहुल अग्रवाल ने प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में पंजीकृत शिकायत क्रमांक PMOPG/E/2025/006407 के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया कि स्कूल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं है। सभी कक्षाओं में निजी प्रकाशकों की किताबें अनिवार्य कर दी गई हैं और अभिभावकों पर अनुचित दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल की एक पतली 24 पेज की किताब की कीमत 650 रुपये रखी गई है और पूरे सेट के लिए खरीद को अनिवार्य कर दिया गया है। आधी किताबें या फोटो कॉपी स्वीकार नहीं की जाती हैं।

जांच के दौरान हुआ बड़ा खुलासा : जांच के दौरान यह पाया गया कि स्कूल में SCERT (निःशुल्क छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक) और NCERT की कोई भी पुस्तक लागू नहीं की गई है। नर्सरी से आठवीं तक सभी कक्षाओं में निजी प्रकाशकों की किताबें ही लागू की गई हैं। स्कूल की दुकान केवल किताब घर,भट्ठी रोड,केदारपुर अम्बिकापुर तक सीमित है,जिससे अभिभावकों को अन्य विकल्प नहीं मिलते। जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि कक्षा 1 से 4 तक कार्य पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी स्वीकार नहीं की जा रही है, जबकि कक्षा 5 से 8 तक फोटोकॉपी मान्य है। इसके अलावा, कक्षा नर्सरी से सातवीं तक स्कूल गणवेश और अन्य सामग्री भी केवल एक ही फर्म से उपलब्ध कराई गई है।

कारण बताओ नोटिस भी जारी : जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार, इस तरह की लूट केवल स्कूल प्रबंधन द्वारा अनुचित लाभ के उद्देश्य से की जा रही हैं। शिकायत पर जांच के बाद स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था, जिसका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल पर 1,00,000 रुपये का आर्थिक दंड लगाने का आदेश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में यदि ऐसी अनियमितता दोहराई गई तो स्कूल की मान्यता समाप्त की जा सकती है।

3 दिन के भीतर जुर्माना जमा करने का आदेश : आदेश के अनुसार, दंड राशि 3 दिन के भीतर शासन के खजाने में जमा कर इसका पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा। इस कार्रवाई की सूचना सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, कलेक्टर सरगुजा, आयुक्त सरगुजा संभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

छात्रों की बात,जनप्रतिनिधि के साथ संस्कृति मंत्री ने की मेडिकल छात्रों से चर्चा

शेड निर्माण समेत अन्य मांगों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर स्थित राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंह देव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित छात्रों की बात, जनप्रतिनिधि के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित होकर चिकित्सा छात्रों से सीधा संवाद किया। मंत्री से खुले संवाद कर विद्यार्थियों ने अपनी बातें साझा कीं और उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और समाधान के आश्वासन पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी शैक्षणिक व बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई समस्याएँ एवं सुझाव मंत्री श्री अग्रवाल के समक्ष रखे। सामने आए मुद्दों में कॉलेज परिसर में शेड निर्माण की आवश्यकता, अध्ययन हेतु बेहतर संसाधन, तथा छात्र-हित से जुड़ी मूलभूत आवश्यकताओं पर प्रमुखता से चर्चा की गई। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी समस्याओं व सुझावों को गंभीरता से सुना और कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थी समाज के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत रीढ़ हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि छात्रहित सर्वोपरि है और समाधान के लिए शीघ्र कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर छात्रों द्वारा उठाई गई शेड निर्माण की मांग पर श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम के बाद तत्काल ही कॉलेज के डीन सहित अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्रवाई की जाए। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई कर रहे युवा कर रहे युवा ही भविष्य में प्रदेश व देश को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। उनका उत्साह, जिज्ञासा और समर्पण ही उन्हें एक कुशल चिकित्सक बनाकर समाज सेवा हेतु तैयार करेगा।

जड़ चित्र मूर्ति समान नजर आए चैतन्य देवियों का झांकी बना आकर्षण का केंद्र

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी के चौथे दिन के शुभारंभ के लिए नगर की प्रथम महिला महापौर-मंजूषा भगत,सभापति नगर निगम-श्री हरमंदिर सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता - श्रीमती वंदना दत्ता एवं सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। महापौर मंजूषा भगत ने इस चैतन्य झांकी का दर्शन कर बोली की मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा की यह चैतन्य देवियां जो अपलक झपकाए मूर्ति सामान बैठी हुई है इसका श्रेय ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दिया जा रहा योगदान राजयोग मेडिटेशन को बताया। हरमिंदर सिंह साक्षात् चैतन्य देवियों का दर्शन को अद्भुत बताया यहां आकर हम अपने कर्म को सुधारते हैं मनुष्य दिन भर कर्म करता है परंतु सार तो प्रभु के चरणों में ही है। सामाजिक कार्यकर्ता वंदना दत्ता ने कहा कि आज समाज को आध्यात्मिक शिक्षा की बहुत जरूरत है इस आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा ही नौ देवियां ब्रह्मांड बनाने में अपना योगदान दे हमें जीवन दान देती हैं। ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने नवरात्रि अर्थात नौ देवियों के शक्तियों और गुणों के कर्तव्यों का यादगार बताया।अंत में सभी ने संस्था द्वारा निर्मित म्यूजियम का अवलोकन किया ।

परसा में राष्ट्रीय सेवा योजना के 56 वे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसा में राष्ट्रीय सेवा योजना के 56 वे स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रांगण में किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती प्रभा सिंह के द्वारा मुख्य अतिथि आईपीएस राहुल बंसल और उपसंचालक रोजगार श्री एसके त्रिपाठी सर का स्वागत पौधा देकर किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्जवन कर माँ सरस्वती और राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा स्रोत श्री विवेकानंद जी को पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। विद्यालय की छात्रा स्वयंसेवक ममता यादव के द्वारा NSS स्थापना और उसके उद्देश्य के महत्व को भाषण के द्वारा सभा में प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात खुशबू और साथियों के द्वारा समूह नृत्य किया गया। आईपीएस श्री राहुल बंसल द्वारा बच्चों के साथ अपने वक्तव्य में नशा मुक्ति हेतु समाज में जागरूकता,यातायात सम्बंधी जानकारी लाइसेंस बनवाना एवं हेलमेट पहनना, बच्चों में मोबाइल की लत, गेमिंग करना, अनावश्यक एप्लीकेशन को डाउनलोड करना, साइबर फ्रॉड से बचना तथा ए आई संबंधित नई तकनीक और अपने पर्सनल डाटा को सियोर करना, किसी से शेयर ना करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बच्चों को जागरूक किया। एन एस एस के कार्यक्रम अधिकारी श्री विपिन मिश्रा के द्वारा मंच का संचालन किया गया। उपसंचालक रोजगार श्री सूर्य प्रकाश त्रिपाठी सर के द्वारा बच्चों को कक्षा नौवीं से लेकर 12वीं तक अध्ययन के समय रोजगार के कौन-कौन से अवसर हैं तथा उन्हें किस तरह प्राप्त किया जा सकता है,किन परीक्षाओं के द्वारा भविष्य में वह अपने रोजगार को प्राप्त कर सकते हैं तथा जीवन में अनुशासन का महत्व उन्होंने अपने वक्तव्य में बच्चों और शिक्षकों के साथ साझा किया। विद्यालय से स्थानांतरित शिक्षिका श्रीमती रेनू विश्वकर्मा और रीना दुबे मैडम को प्राचार्य श्रीमती प्रभा सिंह और श्री जनार्दन सिंह सर के द्वारा शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह दे कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अन्यत्र विद्यालय के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अनिल गिरी और दिलेश के द्वारा प्रेरणा गीत उठे समाज के लिए उठें , जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति में श्रीमती अंजू लता दोहरे, पूनम प्रभाकर, संगीता राजवंशी, शिल्पा सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री दयानंद राम, मनीष कुमार, विनीत यादव, आशीष वर्मा और सुनील राय सर के द्वारा विद्यालय में स्वच्छता अनुशासन और एक पेड़ मां के नाम की पूर्ण जिम्मेदारी निभाई गयी। आज के कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग श्रीमती सपना प्रसाद, पुष्पा पांडे, श्रीमती कंचन लता श्रीवास्तव, श्रीमती सुनीता यादव, श्रीमती सुधा जायसवाल, श्री अर्पण और श्री मुन्ना राम का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा पुस्तक प्रदान किया गया।

मानसिक रूप से विचलित महिला 50 फीट ऊंची पानी टंकी पर चढ़ी,पुलिस ने सकुशल उतारा

-संवाददाता-
बलरामपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक-5 में उस समय अफरा-तफरी मच गई,जब एक मानसिक रूप से विचलित महिला अचानक 50 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। सुबह के समय हुई इस घटना को देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया.। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित उतारने के प्रयास शुरू किए। महिला को नीचे लाने के लिए पुलिसकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी समझाइश और प्रयासों के बाद आखिरकार महिला को सकुशल नीचे उतार लिया गया।

एसईसीएल खदान परिसर में ट्रक चालक की संदिग्ध मौत,परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

एसईसीएल आमगांव खदान में ट्रक परिवहन कार्य कर रहे एक चालक की संदिग्ध मौत ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है। मृतक चालक मनोज जाट के भाई जय किशन ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को आवेदन देकर खदान प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने और निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि मृतक को खदान परिसर में लंबे समय तक ट्रक खड़ा रखने के बावजूद लोडिंग नहीं दी गई। जब उन्होंने शिकायत की तो कर्मचारियों ने कथित रूप से 20,000 रुपये रिश्वत मांगते हुए साफ कहा कि बिना पैसे दिए गाड़ी को लोडिंग नहीं मिलेगी।

इस कारण मृतक गहरे मानसिक तनाव में आ गया। घटना वाले दिन उसने फोन पर भाई से बातचीत में बताया था कि गाड़ी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और 500 रुपये देने के बाद भी किसी ने सुनवाई नहीं की। कुछ ही घंटों बाद खबर आई कि मनोज जाट ने खदान परिसर में अपने ट्रक के डाला में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि यह आत्महत्या प्रबंधन की मनमानी और जबरन आर्थिक शोषण का नतीजा है। उनका यह भी आरोप है कि मृतक के मोबाइल से पुराने वीडियो को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रस्तुत कर घटना को विवादित बनाने की कोशिश की गई। मृतक के भाई ने बताया कि गाड़ी लंबे समय तक खड़ी रहने के कारण बैंक की किस्त चुकाना मुश्किल हो गया था और राशन तक खत्म हो चुका था। इस आर्थिक दबाव ने मनोज को और गहरे तनाव में धकेल दिया। गौरतलब है कि यह घटना 31 अगस्त 2025 को हुई थी। उस समय एसईसीएल प्रबंधन ने चालक की मौत को घरेलू विवाद का परिणाम बताया था। लेकिन अब परिजन इसे संदिग्ध बताते हुए सवाल उठा रहे हैं कि आखिर यह आत्महत्या थी या किसी ने हालात बनाकर मजबूर किया। आज परिजन सूरजपुर एसपी कार्यालय पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच, खदान प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन और स्थानीय पुलिस मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। इस पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने परिजनों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सरगुजा संभागीय ट्रक मालिक संघ अध्यक्ष रविन्द्र तिवारी और धीरज सिंह भी मौजूद रहे।

बागेश्वर धाम सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी के पावन कर कमलों से डॉ डी.के. सोनी को मिला सम्मान पत्र

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सहित छत्तीस गढ़ में डॉ डी.के. सोनी के नाम से परिचित है, एनके सामाजिक योगदान और निःस्वार्थ सेवा एवं एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता,निडर आरटीआई योद्धा और अनुभवी अधिवक्ता हैं, जिन्होंने पिछले दो दशकों से न्याय,पारदर्शिता और सामाजिक समानता की स्थापना के लिए निरंतर संघर्ष किया है। उन्होंने 4500 से अधिक आरटीआई आवेदन दायर कर सरकारी प्रणाली में पारदर्शिता लाने का अनुकरणीय कार्य किया है। इन आवेदनों के आधार पर उन्होंने 18 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की हैं,जिनमें सुप्रीम कोर्ट में 3 महत्वपूर्ण मामले भी शामिल हैं। श्री सोनी की विधिक सक्रियता केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रही है—उन्होंने जमीनी स्तर पर आदिवासी समुदायों, गरीब मजदूरों और वंचित तबकों के अधिकारों की रक्षा के लिए बेमिसाल प्रयास किए हैं। उन्होंने न सिर्फ बिना फीस के सैकड़ों मामलों में गरीबों की पैरवी की, बल्कि मजदूरी, भूमि अधिकार, और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिलाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। उनके अथक प्रयासों से अब तक एक करोड़ से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो चुके हैं। श्री सोनी का समर्पण केवल सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के प्रति एक जीवंत संकल्प है। वे एक ऐसे दुर्लभ व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर, अपने जीवन को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित कर दिया है। इनके जीवन के ऊपर एक मूवी हिंदी फ़िल्म भी बन चुकी है फ़िल्म का नाम छ्य है जो कुछ ही दिनों में रिलीज होगी और आम लोगो को यह फ़िल्म देखने को मिलेगा उनके अप्रतिम योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना किया गया है और अब तक इन्हें 45अवार्ड प्राप्त हो चुका हैं यही सब दस्तावेजों को देखते हुए और इनके कार्य को देखते हुए मध्य प्रदेश के खजुराहो में दिनांक 21/9/25को बागेश्वर धाम सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी के पावन करकमलों से समाज, संस्कृति और सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने एवं राष्ट्र तथा समाज को गौरांवित करने के कारण सम्मान पत्र प्रदान किया गया डॉ डी के सोनी को यह उनका 46अवार्ड सम्मान है।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अम्बिकापुर में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

छात्र-छात्राओं ने विविध विषयों पर दिखाई कला की झलक भाजपा सरगुजा ने छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में भाजपा सरगुजा द्वारा भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता तथा महापौर श्रीमती मंजूषा भगत और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह की उपस्थिति में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में अंबिकापुर के विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए 'विकसित भारत', 'स्वच्छ भारत', ऑपरेशन सिन्दूर, महिला सशक्तिकरण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं महामहिम राष्ट्रपति का जीवन चरित्र, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मेक इन इंडिया जैसे विषयों पर अपनी कला प्रस्तुत की। सबने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में कार्मेल स्कूल, संत हरकेवल,पुलिस लाइन,केदारपुर, सरस्वती शिशु मंदिर,उम्मीद की किरण सहित कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर भाजपा सरगुजा की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज बच्चों ने अपनी चित्रकला से 'विकसित भारत', 'स्वच्छ भारत' और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों को जीवंत कर दिया। यह रचनात्मकता हमारे देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि -हमारे छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता और देशभक्ति देखकर गर्व की अनुभूति होती है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' का सपना साकार हो रहा है और इन बच्चों की कला उस दिशा में प्रेरणा देती है। मंच संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष ने किया और उन्होंने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, हरपाल सिंह भामरा, सभापति हरमिंदर सिंह, श्रीमती फुलेश्वरी सिंह, राजकुमार बंसल, निलेश सिंह, संजय अग्रवाल, जनमेजय मिश्रा, इंदर भगत, विकास पांडे, श्रीमती मधु चौदहा, संतोष दास, रूपेश दुबे, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी,मयंक जायसवाल,श्रीमती श्वेता गुप्ता, श्रीमती ममता तिवारी, संजय सोनी, अजय प्रताप सिंह, श्रीमती नीलम राजवाड़े, प्रिया सिंह, धनंजय मिश्रा, जतीन परमार, प्रियंका चौबे, मार्कण्डेय तिवारी, रश्मि जयसवाल, सोनू तिग्गा, सीमा कश्यप, बबली नेताम, अनीश सिंह , अजय सिंह, भूपेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे ।

पीजी कॉलेज के दो छात्राओं को मिला राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में इस वर्ष राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की दो छात्राओं ने सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। सोन कुमारी सिंह एवं रेणु खलखो को वर्ष 2024-25 के लिए राज्य स्तरीय श्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, उच्च शिक्षा सचिव डॉ. एस. भारतीय दासन, आयुक्त डॉ. संतोष कुमार देवांगन, एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक श्रोत्री और राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. नीता बाजपेई सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरगुजा विश्वविद्यालय से जिला संगठक खेमकरण अहिरवार, कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार, डॉ. सृष्टि शेफाली मिंज, तथा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के एनएसएस समन्वयक एवं जिला संगठक भी मौजूद थे। समारोह में उपस्थित युवा स्वयंसेवकों ने उमंग और उत्साह के साथ भाग लिया। सरगुजा विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं की इस सफलता पर कुलपति प्रो. प्रेम प्रकाश सिंह, कुलसचिव प्रो. शारदा प्रसाद त्रिपाठी एवं एनएसएस समन्वयक डॉ. एसएन पांडेय ने शुभकामनाएं दी है। प्राचार्य डॉ. स्नेह लता श्रीवास्तव ने भी छात्राओं को बधाई दी।

सूरजपुर पुलिस ने जप्त अवैध अंग्रेजी व महुआ शराब किया नष्टीकरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले की पुलिस ने 21 प्रकरणों में जप्त अवैध शराब को रोलर से दबाकर नष्ट किया है। नशे पर नकेल लगाने सूरजपुर पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। अवैध शराब के नशे के व्यापार में लिप्त लोगों की जानकारी हासिल करते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। गुरूवार,25 सितम्बर को नियमों के तहत पुलिस लाईन सूरजपुर में आबकारी एक्ट के निराकृत जप्तशुदा अंग्रेजी व महुआ शराब का नष्टीकरण की प्रक्रिया को पूरा किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर की मौजूदगी में गठित टीम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध शराब के 21 प्रकरणों में 69 लीटर महुआ शराब व 32 शीशी अंग्रेजी शराब को नष्ट किया गया। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी अनिल मित्तल, पर्यावरण अधिकारी बी.बी. ध्रुव, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक जावेद मियादांद सहित पुलिस के अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

अपहृत बालिका को दस्तयाब कर आरोपी एवं उसके 2 सहयोगियों को चौकी बसदेई पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

चौकी बसदेई क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09.09.2025 को इसकी नाबालिक पुत्री स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी जो वापस घर नहीं आई। कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है। रिपोर्ट पर अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने गुमशुदा एवं अपहरण के मामले में हर संभव प्रयास अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंका के मार्गदर्शन में चौकी बसदेई पुलिस ने अपहृत बालिका की गंभीरतापूर्वक खोजबीन करने के दौरान मुखबीर की सूचना व नई तकनीक की मदद से अपहृता को रायगढ़ में होने की जानकारी मिली जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् रायगढ़ के लिए रवाना हुई और काफी खोजबीन के बाद कापू में आरोपी रोशन के कब्जे से अपहृत बालिका को दस्तयाब कर दोनों को लाया गया। मामले की विवेचना में आरोपी के साथी दयाशंकर व ओमकार के द्वारा भली-भाजी जानते हुए अपहृता को भगाने में सहयोग किया गया जो इन दोनों को भी दबिश देकर पकड़ा गया। प्रकरण में पृथक से धारा 87, 65(2), 3(5) बीएनएस व पास्को एक्ट की धारा 6 जोड़ी जाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल,प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह, आरक्षक रामकुमार सिंह, देवदत्त दुबे, अशोक सिंह, अशोक केंवट,महिला आरक्षक पूनम सिंह व नगर सैनिक अनिल विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सविना उम्र 30 वर्ष ग्राम पम्पापुर थाना दरिमा की रहने वाली थी। 2 अप्रैल की रात करीब 1 बजे सोने के दौरान इसका पति इंदर राम टांगी से जानलेवा हमला कर दिया था। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे। स्वास्थ्य में सुधार न होने और बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर ने उसे रायपुर रेफर कर दिया था। इलाज के दौरान डीकेएस अस्पताल में महिला की मौत हो गई थी। रायपुर पुलिस जांच के लिए मर्ग डायरी दरिमा थाने को भेजा था।

वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत खादी वस्त्रों का विशेष स्टॉल लगाया गया

स्थानीय कलाकारों व बुनकरों को प्रोत्साहन देने भाजपा सरगुजा का सराहनीय कदम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता एवं महापौर मंजूषा भगत,पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह तथा जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह के आतिथ्य में स्थानीय कलाकेंद्र मैदान के पास खादी वस्त्रों का विशेष स्टॉल लगाया गया। पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने फीता काटकर वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सरगुजा भाजपा ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वोकल फॉर लोकल मुहिम को आत्मसात करते हुए स्थानीय कलाकारों और बुनकरों को प्रोत्साहित करने तथा स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार-प्रसार हेतु यह विशेष पहल की। जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि खादी केवल कपड़ा नहीं, बल्कि हमारे इतिहास, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि खादी के प्रचार-प्रसार से हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की दिशा दोनों को मजबूती मिलेगी। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि खादी अपनाना केवल परंपरा नहीं बल्कि आधुनिक समय में भी स्वदेशी को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण संकल्प है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष, सभापति हरमिंदर सिंह, फुलेश्वरी सिंह, निलेश सिंह, संजय अग्रवाल, जनमेजय मिश्रा, इंदर भगत, विकास पांडे, मधु चौदहा, संतोष दास, रूपेश दुबे, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, मयंक जायसवाल, श्वेता गुप्ता, ममता तिवारी, संजय सोनी, अजय प्रताप सिंह, नीलम राजवाड़े, प्रिया सिंह, धनंजय मिश्रा,जतीन परमार, प्रियंका चौबे, मार्कण्डेय तिवारी, रश्मि जयसवाल, सोनू तिग्गा, सीमा कश्यप, बबली नेताम, अनीश सिंह, अजय सिंह, भूपेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

जंगल में जुआ खेलते 4 पकड़ाए,61 हजार रुपए जब्त

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम कोरिमा के जंगल में 29 सितंबर को जुआ खेलते चार जुआरियों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने जुआरियों के कब्जे से 61 हजार रुपए नगद जब्त किया है। जुआरियों में रवि जायसवाल पिता स्व. राजेंद्र जायसवाल उम्र 38 वर्ष निवासी बौरीपारा अंबिकापुर, लालजी प्रसाद जायसवाल पिता स्व. जागो साय उम्र 44 वर्ष निवासी बौरीपारा, विक्की लकड़ा पिता शिव बहाल उम्र 32 वर्ष निवासी केरता पुलिस चौकी खड़गवां जिला सूरजपुर व दीपक मिंज पिता फ़तेह राम अशोक उम्र 31 वर्ष निवासी खैरबार थाना अंबिकापुर शामिल है। पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

दुर्गा पूजा महोत्सव में डांडिया की धूम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अनोखी सोच संस्था द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम लगातार जारी है। गुरुवार को संस्था द्वारा भव्य डांडिया नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मोहल्ले और शहर के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रंग-बिरंगी लाइटों से सजे पंडाल परिसर में रातभर गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियां होती रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा की भव्य आरती से हुई, जिसमें सभी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा से शामिल हुए। इसके बाद जब ढोल और संगीत की ताल गूंजने लगी, तो माहौल पूरी तरह भक्ति और उल्लास में डूब गया। महिलाएं, पुरुष और बच्चे पारंपरिक परिधानों में सजकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और डांडिया की तालियों पर जमकर थिरके। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पल तब आया।

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर का निर्देश:सीएसपी ने नगर के व्यापारियों की ली बैठक,यातायात व्यवस्था सुगम बनाने में सहयोग की अपील

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने क्षेत्र में शांती, सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था के लिए नगर के व्यापारियों की बैठक लेने, क्षेत्र में सक्रिय मौजूदगी बनाए रखते हुए लगातार पैदल गश्त व पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए है। जिसके परिपालन में गुरूवार 25 सितम्बर 2025 को सीएसपी एस.एस.पैंकरा के नेतृत्व में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे और यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय की मौजूदगी में नगर के व्यापारीगण की बैठक आयोजित किया गया। जिसमें शहर में यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव भी लिए गए और दुकानों के सामने वाहनों को व्यवस्थित खड़े करने के साथ दुकानों का सामान बाहर न निकालने संबंधी समझाइश दी गई। बैठक के उपरान्त नगर पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस अधिकारियों व जवानों के द्वारा मनेन्द्रगढ़ रोड़, नवापारा व भैयाथान रोड़ में पैदल पेट्रोलिंग किया। इस दौरान बैंक, एटीएम के सुरक्षा का जायजा लिया गया और व्यापारिक प्रतिष्ठान के संचालकों को हिदायत दी गई कि उनके यहां कार्यरत् कर्मियों की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराए, प्रतिष्ठान/संस्थान सहित उसके बाहर सीसीटीव्ही कैमरा लगवाये और नगर के यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने में सहयोग करें।

कई जगहों और प्रतिष्ठानों के सामने 13 बिना नंबर के वाहन चालकों के खिलाफ एमव्ही एक्ट की कार्यवाही की गई।

पुलिस द्वारा सभी से अपील की गई है कि शहर में तेज रफ्तार के साथ बिना नंबर के वाहन और शराब पीकर वाहन चलने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी और ऐसे वाहन चालकों के नियमानुसार लाइसेंस भी निरस्त कराए जाएंगे।

कल्चुरी समाज द्वारा आयोजित डांडिया नाईट का हुआ भव्य आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा कल्चुरी समाज द्वारा जायसवाल युवा मंच एवं महिला मंच के संयुक्त तत्वाधान में शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में गत रात्रि शहर के होटल सिटी ईन में कल्चुरी डांडिया नाईट का आयोजन किया गया। इस गरबा कार्यक्रम में एंकर दिया के साथ डी0 जे0 नीतिश द्वारा अपनी शानदार प्रस्तुति दी गयी, साथ ही समाज के सभी वर्ग भक्तिमय गीत एवं रास-गरबा नृत्यों में सराबोर होकर देर रात तक झुमते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर मां दुर्गा की आरती के साथ किया गया साथ ही आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी सदस्यों के साथ-साथ बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

फुटबॉल टूर्नामेंट में दोनों मुकाबले बराबरी पर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को पहला मैच ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर विरुद्ध फाइटर क्लब मेंड्राखुर्द के मध्य खेला गया। दोनों टीमों ने प्रथम एवं द्वितीय हाफ में अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए एक दूसरे के गोल के ऊपर दबाव बनाए रखा, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। इस तरह प्रथम मैच 0-0 पर ड्रा रहा। दूसरा मैच कर्मयोगी फुटबॉल क्लब अंबिकापुर विरुद्ध बॉयज क्लब भटगांव के मध्य खेला गया। कर्मयोगी की टीम ने भटगांव पर काफी दबाव बनाए रखा लेकिन इसका परिणाम यह हुआ की भटगांव की टीम ने अपने एक मौके को गोल में तब्दील कर प्रथम हाफ में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हाफ में कर्मयोगी की टीम ने अच्छे तालमेल के साथ खेलते हुए भटगांव पर दबाव बना रखा और खेल के अंतिम क्षणों में एक गोल कर 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

CMYK

जनपद पंचायत खड़गवां में पीएम आवास योजना में बड़ा घोटाला उजागर

जियो टैगिंग में हेरफेर कर हो रहा आवास निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार

आवास मित्र और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी जमीन पर बन रहे मकान

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिर्फ आश्वासन तक सीमित, कार्रवाई नदारद

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,26 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां तो हमेशा किसी ना किसी मामले को लेकर सुर्खियों में रहता है ऐसा ही एक और मामला प्रधानमंत्री आवास योजना का सामने आया है जिसमें जानकारी मिल रही है कि आवास निर्माण कार्य के लिए जो आवास मित्र के द्वारा जियोटेक किया गया है वो कहीं और पर कराया गया हैं और घर कहीं और बनाते हैं लेकिन यह नहीं बताया था कि बनने वाली जगह सरकारी होती है।

आवास मित्र के द्वारा कई ऐसे आवास हितग्राही का जिओ टैग कि है हितग्राही जहां पर आवास का जियो टैग करवाते हैं और घर कहीं और पर बना लेते हैं और यह सारी बातें आवास मित्र को जानकारी होने के बाद भी आवास मित्र एवं बीसी एवं मनरेगा के अधिकारियों के द्वारा इस तरह के आवास निर्माण कार्य पर रोक लगाने की जरूरत नहीं समझी या इन सभी कर्मचारी एवं मनरेगा अधिकारियों की सांठगांठ से दूबारा जियो टैग कर दूसरी भी हितग्राही को दी गई जब आवास ही गलत स्थल पर पर निर्माण कार्य किया जा रहा था तो दूबारा स्थल का जियो टैग कैसे हुआ और दूसरी किस्त कैसे हितग्राही को प्राप्त हो गई? जबकि इस तरह के आवास निर्माण कार्य की शिकायत जनपद पंचायत खड़गवां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को होने के बाद भी मामले में जांच करने का आश्वासन देकर अपना पहला झाड लिया जाता है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिर्फ शिकायतकर्ता को आश्वासन देने के अलावा कोई कार्यवाही करते नजर नहीं आते हैं आखिर ऐसा क्या?

सूत्रों से मिल रही जानकारी से की जनपद पंचायत खड़गवां में ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण कार्य का आंकड़ा पूरा करने में अधिकारी लगे हैं जबकि धरातल पर कहानी कुछ और है जिससे आवास निर्माण सिर्फ जनपद पंचायत खड़गवां के कागज़ी आंकड़ों में आवास निर्माण कार्य प्रगति में है?

आखिर परत दर परत इन भ्रष्टाचारियों की पोल खुल रही है कई मामले एक के बाद एक सामने आ रहे हैं लेकिन सोचने का विषय यह है कि इतने सारे मामलों के बावजूद भी लोग बिना डरे अपने धंधों को, गलत कारनामों को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं और उन्हें जिला या ब्लॉक स्तरीय कार्यवाही का डर नहीं है। क्या इस बात से यह अंदाजा लगाया जा सकता है की जिला और ब्लॉक में भी सेटलमेंट का खेल चल रहा है क्या जिला और ब्लॉक के अधिकारी कर्मचारी साहब सभी इस भ्रष्टाचार के शहद में रोटी डुबो डुबोकर खा रहे हैं?, ऐसे कई सवाल है जो अधिकारियों के कार्य शैली को देखकर मन में उत्पन्न हो रहे...? क्योंकि अगर उच्च अधिकारियों की संलिप्तता नहीं होती तो इतने बड़े बड़े आवास निर्माण कार्य में घोटाले करने से पहले निचले स्तर एक कर्मचारी हजार बार जरुर सोचते या फिर निचले स्तर के जो कर्मचारी हैं वह सब उच्च अधिकारियों को कुछ समझ ही नहीं रहे हैं? आखिर यह कैसे संभव है कि आवास मित्र, तकनीकी सहायक, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर आदि किसी को भी इस संबंध में

कोई भी जानकारी नहीं थी। कोई भी इस चीज को कैसे मान सकता है? कि इतने बड़े कारनामे होने के बाद भी किसी को कानों कान खबर नहीं थी। या तो यह सभी जनपद पंचायत एवं मनरेगा के अधिकारी कर्मचारी केवल शासन के द्वारा दिए जाने वाले वेतन को जेब में भरने का काम कर रहे थे या फिर उनके वेतन से अधिक उन्हें रिश्वत मिल रही थी जो उन्हें अपने कर्तव्य का पालन करने से रोक रहा था। हालांकि कि अभी जनपद पंचायत खड़गवां में हुए कई घोटाले की कहानी दर परत दर खुलेगी जिससे भ्रष्टाचार भी उजागर किया जाएगा?

प्रतापपुर बस स्टैंड में माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा एवं जगराता कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,26 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर प्रतापपुर बस स्टैंड परिसर में स्थापित माँ दुर्गा की भव्य प्रतिमा आस्था और आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सुबह-शाम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। माता रानी की झलक पाते ही भक्तों के चेहरे पर भक्ति और उत्साह झलक उठता है।

पंडाल परिसर में प्रतिदिन अलग-अलग श्रद्धालुओं की ओर से महा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जहाँ हजारों भक्त प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में माँ वैष्णवी जागरण मंच के कलाकार सुप्रसिद्ध भजन गायक बबीता विश्वास की टीम द्वारा भव्य जगराता और भाव-झांकियों का आयोजन किया गया, जिसमें बिग साइज बजरंगबली, मां दुर्गा मां काली, शंकर पार्वती, राधा कृष्ण की झांकियां ने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। और जस गीत में सैकड़ो लोग झूमते नजर आए जगराते में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने माता रानी की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ दीं। देर रात तक गूंजते भजनों और

तालियों की गड़गड़ाहट ने पंडाल को दिव्य रंग में रंग दिया। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर माता रानी के जयकारे लगाते रहे। यह आयोजन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है, जहाँ आस्था, संस्कृति और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। और जगराता कार्यक्रम को प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह ने मां दुर्गा पूजा समिति को भेंट किया, जहां लोगों ने विधायक की प्रशंसा की,

आयोजन समिति में राजेश गुप्ता, अनिल अग्रवाल, अरविंद जयसवाल,मनीष गुप्ता,सोनू कश्यप, अनमोल शर्मा, मुकेश तायल, कमलेश गुप्ता, गुलाब तिवारी, अक्षय तिवारी,, संजय जयसवाल, नवीन सोनू जायसवाल,अंकित जायसवाल, अमित सोनी,सोनू कश्यप, बुली अग्रवाल, आनंद शुक्ला,सीबू सिंह ,समलेश गुप्ता, सूर्या जायसवाल, अजय , काजू कश्यप, गोलू अग्रवाल, शेखर शर्मा, सोनू रजक, शुभम कश्यप, रूपम मित्तल,आयुष कश्यप,वरुण आदिल,अमन कश्यप,लक्की जायसवाल, अरमान शर्मा, अंकित रजक, गोलू जयसवाल, सहित बड़ी हजारों की संख्यामें महिला एवं पुरुष बच्चे उपस्थित थे।

संकट में सुरक्षा की सीख,बाढ़ और क्लोरीन गैस रिसाव पर कोरबा में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल

-संवाददाता-
कोरबा,26 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन के संयुक्त तत्वाधान में जिला प्रशासन कोरबा द्वारा आज जिले में दो महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल अभ्यासों का सफल आयोजन किया गया। इन अभ्यासों का उद्देश्य आमजन को आपदा व डूबने की स्थिति में त्वरित बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी देना और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली का परीक्षण करना रहा। कटघोरा स्थित राधासागर तालाब में जलजनित आपदा से निपटने हेतु मॉक ड्रील का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत एक काल्पनिक स्थिति तैयार की गई, अचानक भारी वर्षा के कारण जलस्त्रोतों में जलस्तर बढ़ गया और कुछ लोग पानी में फँस गए। इस स्थिति में बचाव दलों ने वास्तविक परिस्थिति की तरह तत्काल कार्रवाई की। रेस्क्यू टीम ने लाइफ जैकेट, रस्सियों और नाव की मदद से तालाब में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान 05 पुरुष और 02 महिलाओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर लाने का अभ्यास किया गया। सबसे पहले प्रशिक्षित गोताखोरों और रेस्क्यू टीम ने पानी में फँसे व्यक्तियों की पहचान की, फँसे व्यक्तियों तक रस्सियाँ और लाइफ जैकेट पहुँचाई गईं,नाव और टीम के सहयोग से सभी व्यक्तियों को पानी से बाहर लाकर किनारे तक पहुँचाया गया, मेडिकल टीम ने तत्काल मौके पर ही उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। डूबने की स्थिति में कृत्रिम श्वसन (सीपीआर), ऑक्सीजन सपोर्ट और प्राथमिक दवाओं का प्रदर्शन किया गया और गंभीर स्थिति के अनुमानित मरीजों को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाने की प्रक्रिया का भी अभ्यास किया गया। इसी क्रम में कोहड़िया स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीन गैस रिसाव पर आधारित मॉक ड्रील का आयोजन किया गया। क्लोरीन गैस का उपयोग पेयजल शोधन के लिए किया जाता है, किंतु इसका अधिक मात्रा में रिसाव मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। अभ्यास में यह स्थिति बनाई गई कि संयंत्र में अचानक क्लोरीन गैस का रिसाव हो गया है। जैसे ही अलार्म बजा, आपदा प्रबंधन टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए सिलेंडर को बंद करने, वाटर स्प्रे कर प्रभावित क्षेत्र को सील करने और गैस को फैलने से रोकने के उपायों का प्रदर्शन किया गया। मेडिकल टीम ने गैस से प्रभावित व्यक्तियों का प्राथमिक उपचार किया। उन्हें ताजी हवा में लाया गया, आँखों और त्वचा को साफ पानी से धोने की प्रक्रिया दिखाई गई तथा सांस लेने में कठिनाई होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट प्रदान किया गया, साथ ही उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया कि क्लोरीन गैस के संपर्क में आने से खाँसी,सांस लेने में कठिनाई, आँखों में जलन, गले में खराश और सिरदर्द जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। गंभीर स्थिति में यह फेफड़ों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में व्यक्ति को तुरंत दूषित वातावरण से बाहर निकालना चाहिए,प्रभावित स्थान को खाली करना चाहिए और चिकित्सीय सहायता लेनी चाहिए। इन दोनों मॉक ड्रिल अभ्यासों के माध्यम से आम नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि आपदा चाहे प्राकृतिक हो जैसे बाढ़ अथवा औद्योगिक क्लोरीन गैस रिसाव, सतर्कता, समय पर प्रतिक्रिया और प्रशिक्षित बचाव तंत्र ही जन-जीवन की सुरक्षा की कुंजी है। आपदा के समय घबराएँ नहीं,बल्कि प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए संयम और सजगता से कार्य करें। यह सिखाते हैं कि संकट की घड़ी में कैसे स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रखा जाए। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, अग्निशमन दल तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सेवा भारती में निवासरत बच्चों की ली जानकारी

-संवाददाता-
कोरबा,26 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज एक दिवसीय कोरबा प्रवास पर रही। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विशेषीकृत दत्तकग्रहण अभिकरण-सेवा भारती का अवलोकन किया और यहाँ निवासरत बच्चों के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने यहाँ उपलब्ध सुविधाओं और बाल कल्याण समिति,जिला बाल संरक्षण इकाई से चर्चा कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं से अवगत हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने उनके प्रयासों की सराहना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभाग के गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को लाभ मिला है। आर्थिक समृद्धि के साथ आत्मनिर्भर बनने की राह आसान हुई है और खुशहाली का वातावरण निर्मित हुआ है। इस दौरान विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, डीपीओ श्रीमती रेणु प्रकाश सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभाग के अधिकारी,प्रतिनिधि उपस्थित थे।

निगम द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त घरों व दुकानो में लगाए जाएंगे डिजिटल डोर नम्बर प्लेट

-संवाददाता-
कोरबा,26 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम कोरबा में डिजिटल क्रांति की शुरूआत की कड़ी में निगम द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त घरों व दुकानो में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट लगाए जाएंगे, जिनकी शुरूआत कर दी गई है। प्लेट में लगे क्यू.आर. का स्कैन कर आमनागरिक घर बैठे निगम के समस्त करों की जानकारी व भुगतान करने के साथ ही निगम की विभिन्न सेवाओं व सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों को भी दर्ज कराकर उनका त्वरित निराकरण पाएंगे, वहीं आपातकालीन सेवाएं भी प्राप्त कर सकेंगे। आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर की उपस्थिति में डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम के डिजिटलीकरण की शुरूआत करते हुए डिजिटल डोर नम्बर प्लेट सिस्टम की लाचिंग की गई है। घंटाघर स्थित साहित्य भवन सभागार में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, मेयर इन काउंसिल के सदस्य अजय कुमार चन्द्रा व ममता यादव की उपस्थिति में माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर एवं डिजिटल नम्बर प्लेट सिस्टम का कम्प्यूटर बटन ऑन कर सिस्टम की लाचिंग की।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर.छ0ग0

रा.प्र.क्र... ब-121/2024-25
ग्राम -प.ह.न. 08

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवफ्ल सिंह पिता जयराम जाति गोड़ निवासी ग्राम शिवप्रसाद नगर प.ह.न0-08 रा.नि.मं.भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री सीमा सिंह .का जन्म / मृत्यु दिनांक 16-10-2009 को ग्राम शिवप्रसाद नगर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म/मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है आवेदक अपने पुत्री सीमा सिंह का जन्म/मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत शिवप्रसादनगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है।

जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/09/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 28/08/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(सील) कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान,जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर.छ0ग0

राजस्व प्रकरण क्र.-1412/ब-121/2024
सूरजपुर, दिनांक 15/09/2025

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम शिवभरत आ0 बालसाय जाति गोंड़ निवासी ग्राम पतरापारा तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने मृत्यु दिनांक 04/03/2000 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 29/09/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

इस ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/09/2025 किया जाता है।

(सील) तहसीलदार
सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया,छ0ग0

// उद्घोषणा //

सर्व साधारण ग्राम जामपारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया की आम जनता को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है। आवेदिका शिल्पी सिंह पति श्री संदीप कुमार सिंह निवासी कचहरी पारा बैकुण्ठपुर जिला - कोरिया द्वारा ग्राम जामपारा प0ह0नं0-08 तहसील बैकुण्ठपुर स्थित भूमि ख0नं0 3 / 1 रकबा 0.028 हे0 भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त दर्शित भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित कराना चाहती है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, खसरा बी 1 नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त भू-व्यपवर्तन में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 13/10/2025 को 11.00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 24/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

(सील) सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा0) बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ0ग0)

राशन के लिए भारी जद्दोजहद

कही 30 तो कही 40 किलोमीटर का सफर

ग्राम केवराबहरा के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर कार्यालय,पास में राशन उपलब्धता का दिया आवेदन,सोनहत विकासखंड के वनांचलों में दर्जनभर से अधिक ग्रामो की यही कहानी

राशन लेने आने और घर वापस जाने 50 किलोमीटर से अधिक का सफर,न ढंग की सड़क न संसाधन,कंधे पर राशन ढो कर लंबा सफर तय करना बनी मजबूरी

कुशहा में 520 राशन कार्ड धारक,इसमें 200 से अधिक केवराबहरा निवासी

ग्राम पंचायत मुख्यालय कुशहा में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान में 520 राशन कार्ड धारक हैं। जिसमें 200 से अधिक ग्राम केवराबहरा निवासी हैं। जनगणना 2011 में केवराबहरा की जनसंख्या 188 और 40 से अधिक परिवार निवासरत थे। जिनकी अब 13-14 साल में आबादी बढ़ चुकी है। वर्तमान में केवराबहरा तक पक्की सड़क है और ग्राम पंचायत अकलासरई से जुड़ा हुआ है। लेकिन ग्राम पंचायत का सीमांकन के समय पहुंच मार्ग को ध्यान नहीं दिया गया। जिससे ग्राम केवराबहरा को कुशहा में शामिल कर लिया गया। जबकि केवराबहरा को अकलासरई में शामिल करने से बेहतर सुविधाएं मिल सकती है। ग्रामीण अभी भी किसी चीज की खरीदारी के लिए अकलासरई पर आश्रित हैं।

सोनहत के वनांचलों में राशन लेने 20 से 40 किलोमीटर तक का सफर

सोनहत विकासखण्ड के वानांचल ग्रामो में कई ऐसे गांव हैं जहां राशन लेने ग्रामीणों को भारी जद्दोजहद करनी पड़ती है, बात करें तो सोनहत विकासखण्ड का ग्राम कांटो जो कि नव गठित पँचायत कचोहर का हिस्सा है कांटो के ग्रमीणों को राशन लेने कचोहर आना पड़ता है कचोहर से कांटो की दूरी लगभग 40 किलोमीटर है,पहले यह बंशीपुर ग्राम पँचायत का हिस्सा था तब इसकी दूरी लगभग 50 किलोमीटर थी। जबकि इसी ग्राम पंचायत का एक और ग्राम निग्नोहर है जहां से सोसायटी 10 किलोमीटर दूर है , सोनहत विकासखण्ड के वानांचल ग्राम गिधेर की बात करें तो यहां के लोग राशन लेने 10 किलोमीटर दूर चंदहा ग्राम पंचायत में राशन लेने जाते हैं

रामगढ़ के क्षेत्रो में स्थिति भयावह

सोनहत के वानांचल रामगढ़ उपतहसील क्षेत्र की बात करें तो यहां का सबसे दुरस्त ग्राम कछुवाखोह है यहां के लोगो को राशन लेने ग्राम दसेर जाना पड़ता है जिसकी दूरी लगभग 35 से 40 किलोमीटर दूर है। वही ग्राम कुर्थी के ग्रामीण लगभग 25 किलोमीटर की दूरी तय कर ग्राम पंचायत नटवाही राशन लेने आते हैं। जबकि ग्राम गरनई और तुर्री पानी के ग्रामीण राशन लेने क्रमशः 15 और 10 किलोमीटर का सफर कर रामगढ़ पहुचते हैं,

रेवला के ग्रामीण राशन के लिए 40 किमी का सफर तय करते है

सोनहत के रेवला ग्राम के ग्रामीणों को कछाड़ी पँचायत से राशन मिलता है इसके लिए रेवला के ग्रामीण पहले सोनहत आते हैं और सोनहत से कछाड़ी जाते हैं कुल मिलाकर एक साइड का सफर लगभग 40 किमी का होता है यदि दोनों साइड का सफर जोड़े तो यह 80 किलोमीटर हो जाएगा, जबकि ग्राम सेमरिया सुखतरा और बघवार के ग्रामीण 15 किलोमीटर का सफर कर ग्राम पंचायत अमृतपुर से राशन ले जाते हैं।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,26 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। सोनहत ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुशहा का अजब-गजब सीमांकन से करीब 500 आबादी के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। पंचायत मुयालय में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन लेने के लिए पंचायत के दूसरे छोर में बसे आश्रित गांव केवराबहरा के ग्रामीणों को 3 पंचायत पार कर 35 किलोमीटर दूर दुकान पहुंचना पड़ता है। केवराबहरा के ग्रामीण बड़ी संख्या में किराए की गाड़ी बुक कर कलेक्टर कार्यालय पहुचे और राशन आवंटन की वैकल्पिक व्यवस्था कराने गुहार लगाई। ग्रामीणों ने आवेदन सौंपकर बताया कि ग्राम पंचायत कुशहा के आश्रित गांव केवराबहरा के निवासी हैं। गांव में राशन दुकान ग्राम पंचायत मुयालय कुशहा में संचालित है। जिसकी दूरी करीब 4 से 5 किलोमीटर होगी। लेकिन कुशहा और केवराबहरा के बीच कोई पहुंच मार्ग नहीं है। पगडंडी और जंगल के बीच से होकर ग्रामीण आवागमन करते हैं। केवराबहरा की आबादी करीब 500 है। हर महीने राशन उठाव करने पंचायत मुयालय कुशहा जाना पड़ता है। क्योंकि राशन दुकान कुशहा में संचालित है। केवराबहरा के हितग्राहियों को राशन लेने के लिए ग्राम पंचायत विक्रमपुर-बुडार, भैंसवार, अकलासरई से होकर कुशहा पहुंचना पड़ता है। जिसकी दूसरी 30 से 35 किलोमीटर होगी। गांव में बुजुर्ग, महिला और गरीब हितग्राही हैं। जिनको हर महीने राशन के लिए दिनभर समय लगता है। इसलिए हमारे गांव केवराबहरा में राशन वितरण कराने वैकल्पिक व्यवस्थाएं बनाएं।

इनका कहना है...

ऐसे पँचायत जिनके आश्रित ग्राम दूर दूर हैं वहां पर शासकीय उचित मूल्य की दुकानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए जिससे ग्रामीणों को नजदीक में राशन मिल सकेगा।

अनित दुबे,कांग्रेस नेता

पिछली सरकार में सोनहत ब्लॉक में 10 नई पंचायत बनी जिससे 10 अतिरिक्त राशन दुकान बढ़ गई थोड़ा राहत जरूर मिला लेकिन अभी भी परेशानी कम नही हुई है, शासन स्तर पर दुकानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके इसके लिए शासन प्रशासन को मांग पत्र सौपेंगे

पुष्पेंद्र राजवाड़े

प्रभारी मंत्री के दौरे के दौरान इसके लिए मांग करूँगा, विधायक महोदया और भाजपा जिलाध्यक्ष को भी इस परेशानी से अवगत कराऊंगा

समय लाल कमलवंशी,भाजपा नेता

राशन दुकानों की संख्या बढ़ाये जाने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कलेक्टर महोदया को ज्ञापन सौंप मांग करेगी ताकि ग्रामीणों सुविधा हो सके

जनार्दन गुप्ता,महासचिव गोंडवाना गणतंत्र पार्टी

अधिकांश के पास वाहन नही खराब रस्ते पर पैदल सफर

उक्त वानांचल क्षेत्र के ग्रामीणों के राशन के लिए पैदल ही सफर करना पड़ता है क्योंकि इनके पास वाहन नही है और खराब रस्तो पर बस या कोई अन्य आवागमन सुविधा भी उपलब्ध नही है। ग्रामीण कंधों पर ही राशन ढो कर अपने घर ले जाते हैं। इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है । खास कर बरसात के दिनों में तो स्थिति और खतरनाक हो जाती है जब राशन के लिए सफर के दौरान लोग भीग जाते हैं और उनकी तबीयत भी खराब हो जाती है।

संसाधन नही ऊपर से सड़क का अभाव

वानांचल ग्राम कांटो गिधेर कछुवाखोह सेमरिया आदि की सड़क खराब है ऊपर से ग्रामीणों के पास आवागमन के संसाधन नही है जिससे यह परेशानी और जटिलता का रूप ले लेती है। ग्रामीणों ने समस्याओं के समाधान की मांग प्रशासन से किया है।

पहले और अधिक थी दूरी पिछली सरकार ने कुछ नजदीक किया-

पहले इन ग्रामो से शासकीय उचित मूल्य की दुकान की दूरी और अधिक थी उस दौरान लोगो को राशन लेने में और असुविधा होती थी लेकिन पिछ्ली सरकार में पूर्व विधायक से मांग के बाद उन्होंने सोनहत में 10 नए ग्राम पंचायतों का सृजन कराया जिसमे पंचायत भवन के साथ राशन गोदाम की भी सौगात मिली । इससे लोगों को राशन के लिए बहुत फायदा तो नहीं हुआ पर पहले से दूरी जरूर काफी कम हो गई जिसके बाद ग्रामीणों को पहले से काफी राहत हुई है लेकिन आज के हिसाब से यह राहत पर्याप्त नहीं है।

बैकुंठपुर के सुव्यवस्थित विकास को लेकर कलेक्टर कोरिया से मिले चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी

-संवाददाता-

कोरिया, 26 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने गत दिवस कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सी ई ओ आशुतोष चतुर्वेदी से मुलाकात कर नगर विकास के विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जिला कोरिया के जिलाध्यक्ष शारदा गुप्ता ने बताया कि बैकुंठपुर जिला मुख्यालय में व्यापार की गति देने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसी महत्वपूर्ण विषय को ध्यान में रखते हुए मुख्यालय की गरिमानूरूप विकास की मांग को लेकर चेंबर पदाधिकारियों ने कलेक्टर कोरिया एवं जिला पंचायत सी.ई.ओ. को ज्ञापन सौंपा । जिसमें प्रमुख रूप से खरबत चौक से लेकर जमगहना चौक तक सड़क के दोनों ओर मुख्य मार्ग में समुचित प्रकाश व्यवस्था की मांग की जिससे कि जिला मुख्यालय प्रवेश करने पर होने वाली दुर्घटनाओं को भी रोका जा सकेगा , साथ ही शहर के दोनों तरफ के प्रवेश मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाये जाने की आवश्यकता जताई गई। इसके अतिरिक्त

बैकुंठपुर में बच्चों के शारीरिक शिक्षा के लिए सुव्यवस्थित सर्वसुविधायुक्त तरण ताल बनाए जाने भी मांग चेंबर ने अपने ज्ञापन में की है। शहर के सुव्यवस्थित विकास के लिए मुख्य मार्ग में खाली पड़े प्रमुख स्थानों पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाए जाने के साथ साथ सुविकसित औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना बैकुंठपुर में की जानी चाहिए यह मांग चेंबर द्वारा की गई। जिले के प्रमुख अधिकारियों के साथ चैम्बर पदाधिकारियों की मुलाकात काफी सकारात्मक रही और बैकुंठपुर के व्यावसायिक विकास की दिशा में परिणाम मूलक होगी।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने महिला एवं बाल विकास विभाग की संविदा भर्ती में घोटाला का लगाया आरोप

तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी पर मनमानी का आरोप,कलेक्टर से जांच की मांग

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,26 सितंबर 2025 (घटती-घटना)। भरतपुर सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा की गई संविदा भर्ती को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपते हुए इस भर्ती प्रक्रिया को तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया महाघोटाला करार दिया है और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

क्या है पूर्व विधायक का आरोप

नवा बिहान योजना अंतर्गत सखी वन स्टॉप सेंटर, मिशन वात्सल्य के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन और जिला बाल संरक्षण इकाई, किशोर न्याय बोर्ड एवं बालक कल्याण समिति के संचालन, वहीं मिशन शक्ति के तहत महिला सशक्तिकरण केन्द्र में संविदा भर्ती की गई थी। इस भर्ती में तत्कालीन जिला अधिकारी शुभम बंसल द्वारा पद का दुरुपयोग कर मनमाने ढंग से चयन किया गया। गुलाब कमरों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भर्ती में कौशल परीक्षा और साक्षात्कार में अपने चहेतों को अधिक अंक दिए गए। फर्जी अनुभव और अन्य अमान्य प्रमाण पत्र धारकों को चयनित किया गया। जिले के योग्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं की अनदेखी कर अन्य जिलों के उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाया गया।

संगठित महाघोटाला

पूर्व विधायक ने कहा...यह एक संगठित महाघोटाला है, जिसे पूर्व जिला कार्यक्रम अधिकारी और तत्कालीन अधिकारियों की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। इससे जिले के सैकड़ों बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने कलेक्टर से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, कांग्रेस जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष अमोल सिंह, जिला कांग्रेस महामंत्री अज्जू रवि, सांसद प्रतिनिधि अमर सिंह और ओर अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड में नॉमिनेट हुए दिलजीत दोसांझ

इम्तियाज अली को दिया क्रेडिट,कौन थे सिंगर चमकीला जिन पर बनी फिल्म को 2 नॉमिनेशन मिले

सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ को फिल्म अमर सिंह चमकीला के लिए एमी इंटरनेशनल अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का नॉमिनेशन मिला है। एमी नॉमिनेशन की अनाउंसमेंट हुई है, जिसमें अमर सिंह चमकीला को दो नॉमिनेशन मिले हैं। दिलजीत दोसांझ ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से नॉमिनेशन मिलने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, ये सब इम्तियाज अली की बदौलत हुआ।

इन इंटरनेशनल सेलेब्स से कंपीट करेंगे दिलजीत दोसांझ

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में बेस्ट परफॉर्मर बाय अन एक्टर की कैटेगरी में दिलजीत दोसांझ को चमकीला के लिए, डेविड मिशेल को इन लूडविग, ओरियल प्ला को फिल्म न यो, एडिक्टो, डिएगो वासक्वेज को फिल्म इन वन हंड्रेड एयर ऑफ सोलीट्यूड के लिए नॉमिनेशन मिला है।

फिल्म अमर सिंह चमकीला को मिला बेस्ट टीवी मूवी/मिनी सीरीज में नॉमिनेशन

दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा स्टारर फिल्म अमर सिंह चमकीला को बेस्ट टीवी मूवी/ मिनी सीरीज कैटेगरी में भी नॉमिनेशन मिला है। इसके साथ जर्मनी से हेरहोसनः द बैंकर एंड द बॉम्ब,यूनाइटेड किंगडम से लॉस्ट बॉय्ज एंड फैरीज और चिली से वेंसर ए मोरिर भी नॉमिनेटेड हैं। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड 2024 का आयोजन 24 नवंबर को न्यूयॉर्क में होगा, जहां सभी विजेताओं की अनाउंसमेंट होगी। दिलजीत दोसांझ को पहली बार इंटरनेशनल लेवल पर नॉमिनेशन मिला है। सभी नॉमिनीज की अनाउंसमेंट 25 सितंबर को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंस द्वारा की गई है। 16 कैटेगरी में कुल 64 नॉमिनेशन हैं, जिनमें 26 देशों की तरफ से फिल्मों और कलाकारों को शामिल किया गया है। बताते चलें कि फिल्म अमर सिंह चमकीला साल 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। ये एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है, जो पंजाबी सिंगर अमर सिंह चमकीला पर आधारित है। फिल्म के राइटर और डायरेक्टर इम्तियाज अली हैं। दिलजीत ने अमर सिंह चमकीला और परिणीति ने उनकी पत्नी अमरजोत का किरदार निभाया है। फिल्म को फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड में 9 अवॉर्ड मिल चुके हैं।

गरीब दलित परिवार में हुआ था अमर सिंह चमकीला का जन्म

21 जुलाई 1960 को अमर सिंह चमकीला का जन्म लुधियाना के पास स्थित गांव डुगरी के एक दलित परिवार में हुआ था। असली नाम धनीराम था। सिंगर बनने के बाद उनका नाम अमर सिंह चमकीला पड़ा था। गरीब परिवार में जन्मे अमर सिंह चमकीला ने कम उम्र में ही पढ़ाई छोड़कर कमाई करनी शुरू कर दी थी।

इलेक्ट्रिशियन बनने का ख्वाब देखते थे अमर सिंह चमकीला

अमूमन हर नौजवान शख्स डॉक्टर, इंजीनियर बनने का ख्वाब देखता है, हालांकि अमर सिंह चमकीला कम उम्र से ही एक इलेक्ट्रिशियन बनना चाहते थे। होश संभाला तो उन्हें एक कपड़ा मिल में काम मिल गया। जब भी काम से फुर्सत मिलती तो अमर सिंह चमकीला गुनगुनाया करते थे। आसपास की घटना को देखकर उसी पर गाना शुरू कर दिया करते थे। बढ़ते समय के साथ अमर की रुचि संगीत में जागने लगी और उन्होंने गाना शुरू कर दिया। गांव के लोगों के साथ ही उन्होंने हार्मोनियम और ढोलकी बजाना भी सीख लिया। गांव में कहीं कोई भी शादी होती थी तो वो अक्सर दोस्तों के साथ ढोलकी लेकर पहुंच जाया करते थे।

कम उम्र में हुई पहली शादी दो बेटियों की हुई मौत

अमर सिंह चमकीला की शादी गांव में रहने वाली गुरमैल कौर से हुई थी। दोनों के 4 बच्चे हुए थे, लेकिन अफसोस कि उनमें से उनकी सिर्फ 2 बेटियां अमलदीप और कमलदीप ही बच सकीं।

18 साल की उम्र में मिला गायिकी का मौका

पंजाब म्यूजिक इंडस्ट्री में उस दौर में सुरिंदर शिंदा का नाम हुआ करता था, जो लुधियाना के रहने वाले थे। एक रोज सुरिंदर शिंदा,उनके गांव पहुंचे थे। सुरिंदर शिंदा जब गांव से जाने लगे, तो अमर सिंह चमकीला ने अपनी साइकिल निकाली और दोस्त कुलदीप पारस को पीछे बैठाकर उनके पीछे-पीछे चल पड़े। मुलाकात में अमर सिंह चमकीला ने उन्हें बताया कि वो भी उनकी तरह गायक बनना चाहते हैं। उन्होंने मौके पर ही अपनी गायिकी का एक नमूना पेश कर दिया। सुरिंदर शिंदा उनकी आवाज से इस कदर इंप्रेस हुए कि उन्होंने 18 साल के अमर सिंह चमकीला को अपने साथ काम पर रख लिया। अमर सिंह, सुरिंदर को अपना गुरु मानने लगे और उनके साथ स्टेज शोज में जाने लगे। अमर सिंह चमकीला लिखते थे और धुन बनाते थे और वही गाने सुरिंदर शिंदा स्टेज पर गाया करते थे। कुछ एक मौके पर सुरिंदर शिंदा ने अमर सिंह चमकीला को साथ गाने का भी मौका दिया। स्टेज शोज करते हुए उन्हें मशहूर पंजाबी फोक सिंगर्स के. दीप,मोहम्मद सादिक जैसे लोगों के साथ भी परफॉर्म करने का मौका मिला था।

ग्रुप की सिंगर से हुआ प्यार,शादी की तो हुआ विवाद

अमर सिंह चमकीला ने टीम टूटने पर हार नहीं मानी और अलग-अलग फीमेल सिंगर्स के साथ परफॉर्म करने लगे। अमर सिंह चमकीला एक परमानेंट फीमेल सिंगर की तलाश में थे। इसी बीच उनकी मुलाकात अमरजोत से हुई। उन्हें अमरजोत की आवाज पसंद आई और दोनों साथ गाने लगे। दोनों का पहला एल्बम भुल गई मैं घुंड खाड़ना जबरदस्त हिट रहा था। प्रोग्राम के सिलसिले में साथ समय बिताते हुए दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और दोनों ने शादी कर ली। अमर सिंह चमकीला और अमरजोत की शादी कई कारणों से विवादों में रही थी। पहला विवाद यह था कि अमर सिंह चमकीला पहले से शादीशुदा थे। वहीं दूसरा सबसे बड़ा विवाद ये रहा कि अमर सिंह चमकीला एक दलित थे और अमरजोत अपर कास्ट जाट थीं। कई बार अलग-अलग गुट उन्हें जान से मारने की धमकी देते थे। हालांकि उन धमकियों से उनके रिश्ते पर असर नहीं पड़ा। शादी के एक साल बाद अमरजोत ने बेटे जयमान चमकीला को जन्म दिया था। बढ़ती पॉपुलैरिटी के चलते अमर सिंह चमकीला को बड़े-बड़े स्टूडियो से गाने के ऑफर मिलते थे। उनके कई गानों की रिकॉर्डिंग भी करवाई गई थी,जिनके कैसेट निकाले गए थे। उनके गाए और लिखे गाने इतने हिट रहते थे कि उनकी ब्लैक मार्केटिंग होती थी। अमर सिंह चमकीला और अमरजोत का सबसे हिट गाना पहिले ललकारे नाल मैं डर गई रहा।

आए दिन मिलती थी जान से मारने की धमकी

जैसे-जैसे अमर सिंह चमकीला की पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही थी, वैसे-वैसे उनके दुश्मनों की लिस्ट में भी इजाफा हो रहा था। उनके साथ काम करने वाले कई सिंगर्स उनकी कामयाबी से चिढ़ा करते थे और उनके गानों और लिरिक्स की आलोचना करते थे। कई बार उनकी छवि खराब करने के लिए झूठी अफवाहें फैलाई जाती थीं। 80 के दशक के आखिर में उन्हें आए दिन जान से मारने की धमकियां मिलने लगी थीं।

कनाडा और दुबई में भी होते थे अमर सिंह चमकीला के प्रोग्राम

पंजाब और दिल्ली के अलावा अमर सिंह चमकीला के गाने विदेशों में भी चर्चा में रहते थे। उन्होंने कनाडा में कई स्टेज शोज भी किए थे। वहीं दुबई से भी उन्हें कई बार गाने के लिए बुलावा आया था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक वो एक स्टेज शो के 500 रुपए और एक शादी में गाने के 4 हजार रुपए लेते थे।

मिलती थी महज 100 रुपए तनख्वाह

अमर सिंह चमकीला के लिखे गानों से सुरिंदर शिंदा को काफी पहचान मिली थी। हालांकि अमर सिंह चमकीला महज एक राइटर बनकर रह गए। वहीं दूसरी तरफ उनकी तनख्वाह भी महज 100 रुपए महीना थी,जबकि उनके गाने गाकर सुरिंदर शिंदा हजारों में कमाई करता था। 80 के दशक की शुरुआत में सुरिंदर शिंदा और उनके ग्रुप की फीमेल लीड सिंगर सुरिंदर सोनिया के बीच अनबन हो गई। दरअसल सुरिंदर शिंदा, सोनिया के बजाय गुलशन कोमल को अपने साथ कनाडा टूर पर ले गए थे। सोनिया इस बात से इतना नाराज हुईं कि उन्होंने अमर सिंह चमकीला से अपनी नई टीम बनाने को कह दिया। अमर सिंह चमकीला ने अपने गुरु को धोखा देने से साफ इनकार कर दिया।

कुनिका सदानंद ने खोली थी कुमार सानू की पोल

रीता भट्टाचार्य बोलीं-और तुमने क्या किया?

पिछले कुछ दिनों से गायक कुमार सानू अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। कभी उनके पुराने रिश्तों पर बात हो रही है तो कभी उनकी शादीशुदा जिंदगी पर। कुछ दिन पहले उनकी पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य ने गायक पर संगीन आरोप लगाए थे और अब रीता, कुमार सानू के साथ 6 साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाली कुनिका सदानंद पर भड़की हैं। उन्होंने कुनिका को उनके दावों पर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

रीता ने कहा-तुम भी तो यही कर रही थी,जो सानू जी ने किया

विरल भयानी के साथ एक बातचीत में हाल ही में रीता ने खुलासा किया कि जब कुनिका अपने बेटे के साथ प्रेगनेंट थीं, तब वह सानू संग रिलेशनशिप में थीं। उन्होंने कहा, जब उन्होंने (कुनिका) सानू जी के किसी और के साथ अफेयर की बात कही तो वो भी यही कर रही थीं। जब सानू मेरे साथ रह रहे थे, तब उनका अफेयर चल रहा था, उनकी मुझसे शादी हो चुकी थी, मैं अपने बेटे जान के साथ प्रेगनेंट थी।

आप 70 साल में शादी करके मां बन रहीं, वो कुछ नहीं?

रीता बोलीं,कुनिका सबको बता रही हैं कि वो 27 सालों से अपने दुःख को दबा रही थीं। अरे आपका एक 26 साल का बेटा है। आपको इतना दुःख कहां से मिला? हमने कभी नहीं सुना कि आप किसी शादीशुदा आदमी के साथ संबंध बना सकते हैं। आप एक 70 साल की महिला होकर शादी कर सकती हैं और आपका 26 साल का बेटा हो सकता है? मेरे देश में ऐसा नहीं है।

क्या कहा था कुनिका ने?

बता दें कि बिग बॉस 19 में कुनिका को ये कहते हुए सुना गया था, मैंने 27 साल तक अपने रिश्ते को छुपाया। ये एक लिव-इन रिलेशनशिप थी। वो शादीशुदा था लेकिन अपनी पत्नी से दूर था। हालांकि, फिर मेरे साथ रहते हुए उसका अफेयर शुरू हो गया और उसने मुझे धोखा दिया। तभी मैंने उसे छोड़ दिया। इससे पहले कुनिका को यह कहते हुए देखा गया था कि कैसे सानू और वो एक-दूसरे को पति-पत्नी मानते थे।

रीता-सानू की मुलाकात, शादी और तलाक

कुमार सानू ने पहली शादी रीता से की थी। उनकी पहली मुलाकात कोलकाता (तब कलकत्ता) में हुई थी। धीरे-धीरे दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और मुंबई में दोनों ने शादी कर ली। साल 1988 में सानू के घर बेटे जस्सी का जन्म हुआ, वहीं कुछ समय बाद 2 और बेटे जीको और जान हुए। साल 1993 में सानू का नाम कुनिका के साथ जुड़ा। उनके इस अफेयर ने रीता को तोड़ दिया। बाद में दोनों का तलाक हो गया।

चंकी पांडे दसवीं फेल एक्टर,जिसने अक्षय कुमार को एक्टिंग सिखाई

सलमान-आमिर और शाहरुख की वजह से छोड़ा बॉलीवुड,बने बांग्लादेश के सुपरस्टार

सुयश पांडे से चंकी पांडे बनने तक का सफर बेहद दिलचस्प और उतार-चढ़ावों से भरा रहा है। चंकी पांडे का जन्म 26 सितंबर 1962 को मुंबई में हुआ था। बचपन में उनकी नैनी उन्हें प्यार से चंकी कहकर बुलाती थीं और यही नाम आगे चलकर उनके साथ जुड़ गया। माता-पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे,लेकिन पढ़ाई में इंटरेस्ट न होने के कारण उन्होंने अभिनय की ट्रेनिंग शुरू की और अक्षय कुमार जैसे सितारों को भी एक्टिंग और डांस सिखाया। शुरुआती करियर में उन्हें कई रिजेक्शन झेलने पड़े, यहां तक कि एक प्रोड्यूसर के ऑफिस से उन्हें निकाल भी दिया गया। हालांकि निर्माता पहलाज निहलानी से हुई मुलाकात उनके फिल्मी करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई और 1987 में फिल्म 'आग ही आग' से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया। 1988 की 'तेजाब' फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई, लेकिन 90 के दशक में सलमान, आमिर और शाहरुख जैसे सितारों के आगे उनका करियर धीमा पड़ गया। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेशी फिल्मों की ओर रुख किया, जहां उन्हें सुपरस्टार का दर्जा मिला। बाद में भारत लौटने पर उन्हें फिल्म हाउसफुल सीरीज में आखिरी पास्ता के मजेदार किरदार से नई पहचान और लोकप्रियता मिली। चंकी पांडे की कहानी इस बात का सबूत है कि असफलताओं और बदलावों के बावजूद कड़ी मेहनत और धैर्य से इंसान अपनी जगह बना सकता है।

सुयश पांडे से चंकी पांडे बनने की कहानी : 26 सितंबर 1962 को बॉम्बे (अब मुंबई) में जन्मे चंकी पांडे का असली नाम सुयश पांडे है। उनका नाम चंकी पांडे बनने के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। बचपन में उनकी देखभाल करने वाली नैनी उन्हें चंकी कहकर बुलाती थी,क्योंकि उस समय वे गोल-मटोल थे। धीरे-धीरे यह नाम पूरे घर में प्रचलित हो गया और लोग उनके असली नाम की बजाय उन्हें चंकी कहने लगे। आगे चलकर वे चंकी पांडे के नाम से ही मशहूर हो गए।

मां-बाप डॉक्टर बनाना चाहते थे : फिल्मों में आने से पहले चंकी पांडे पढ़ाई-लिखाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने लगे थे। चंकी के माता-पिता (डॉ.स्नेहलता पांडे-डॉ. शरद पांडे) डॉक्टर थे, इसलिए उन पर डॉक्टर बनने का दबाव था, लेकिन वह एक्टिंग की ओर झुके। 10वीं क्लास में कई बार फेल होने के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़कर एक्टिंग क्लास में दाखिला लिया। उन्होंने 1986 में डेजी ईरानी के स्कूल में अभिनय और डांस की ट्रेनिंग ली। वहीं उन्होंने बतौर इंस्ट्रक्टर भी काम किया और अक्षय कुमार जैसे कई स्टार्स को डांस और एक्टिंग सिखाई। चंकी पांडे ने यह बात साइरस ब्रोचा के साथ एक इंटरव्यू में कही थी। चंकी पांडे ने कहा था- एक्टिंग स्कूल में सीनियर होने के नाते उन्होंने अक्षय कुमार को कुछ डांस मूव्स और डायलॉग डिलीवरी सिखाई थी। चंकी पांडे ने यह भी बताया कि अक्षय कुमार मजाक में कहते हैं कि उनकी सिखाई हुई बातें ही उनके शुरुआती करियर में फिल्मों के फ्लॉप होने का कारण थीं।

टॉयलेट में ऑफर हुई थी पहली फिल्म : चंकी पांडे ने 1987 में प्रोड्यूसर पहलाज निहलानी की फिल्म 'आग ही आग' से डेब्यू किया था। इस फिल्म में काम मिलने का बहुत ही मजेदार किस्सा है। जिसके बारे में चंकी पांडे ने साइरस ब्रोचा के शो में बताया था। चंकी ने कहा था- मैं एक शादी में चूड़ीदार पजामा पहनकर गया था। मुझे उसका गांठ बांधना तो आता था, लेकिन उसे खोलना मेरे बस के बाहर था। ज्यादा बीयर पीने की वजह से मुझे बाथरूम जाना पड़ा, लेकिन अंदर जाने के बाद मैं अपने नाड़े को खोल ही नहीं पाया। बाथरूम के अंदर खड़े-खड़े जोर से मदद के लिए आवाज लगाई। वहां मौजूद लोग इसे मजाक समझकर हंस रहे थे। मगर तभी एक शख्स मदद के लिए आगे बढ़े, वो फिल्ममेकर पहलाज निहलानी थे। बस फिर क्या था, गांठ खुलने के साथ ही हमारी दोस्ती हो गई।

सलमान-आमिर और शाहरुख की वजह से बॉलीवुड में सफल नहीं हुए

चंकी पांडे ने अपने करियर पर असर डालने वाले कारणों को लेकर कई इंटरव्यू में खुलासा किया है कि जब शाहरुख खान,सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े सितारे बॉलीवुड में आए, तो उनके करियर की चमक फीकी पड़ गई। यह बात उन्होंने हाल ही में स्क्रीन से किए गए एक इंटरव्यू में कही थी, जिसमें उन्होंने बताया कि 1987 में अपने डेब्यू फिल्म 'आग ही आग के बाद उनका करियर अच्छा चल रहा था, लेकिन जैसे-जैसे ये नए स्टार्स इंडस्ट्री में आते गए, उन्हें खुद को खोया हुआ महसूस किया। चंकी ने कहा कि 1988 उनका शानदार साल था, इसके बाद सब कुछ फीका पड़ गया। चंकी पांडे ने यह भी बताया कि उस वक्त अजय देवगन, अक्षय कुमार, सलमान खान, आमिर खान और शाहरुख खान जैसे स्टार्स लगातार इंडस्ट्री में एंट्री ले रहे थे जिसकी वजह से उन्हें अपनी जगह बनाना मुश्किल हो गया।

बांग्लादेश के शाहरुख और अमिताभ कहलाए

चंकी पांडे ने कहा था कि 1990 के दशक के मध्य में जब उनको हिंदी फिल्मों में बढ़ियां रोल नहीं मिल रहे थे तो उन्होंने बांग्लादेश की फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि उन्हें बंगाली भाषा नहीं आती थी इसलिए उनकी आवाज डब की जाती थी, लेकिन इसके बावजूद वह वहां के दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गए। चंकी को बांग्लादेश का शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन कहा जाने लगा। उन्होंने लगभग 4-5 साल तक वहां फिल्मों में काम किया और काफी सफल रहे।

खेल समाचार

टीम से बाहर किए जाने पर छलका करुण नायर का दर्द

बोले-शब्द नहीं बचे,वो अर्धशतक किसी शतक से कम नहीं था

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो चुका है। इंग्लैंड दौरे पर 8 साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। नायर को इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के 4 मैचों में मौका दिया गया था। वह 8 पारियों में 0, 20, 31, 26, 14, 40, 57, 17 सहित कुल 205 रन बना सके। उम्मीद की जा रही थी कि शायद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए मौका मिल सकता है, लेकिन उन्हें ड्रॉप कर दिया गया। उनकी जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल को मौका दिया गया है।

मुझे समझ नहीं आ रहा क्या कहूं : टीम से बाहर होने की खबर पर करुण नायर ने टाइम्स ऑफ इंडिया से खुलकर बात की। उन्होंने कहा, हां, मुझे उम्मीद थी कि मेरा चयन होगा। मुझे समझ ही नहीं आ रहा कि मैं क्या कहूं। मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं। मेरे लिए इसका जवाब देना बेहद मुश्किल है। आगे बातचीत में नायर ने भावुक होते हुए जोड़ा, आपको चयनकर्ताओं से पूछना चाहिए कि वे क्या सोच रहे हैं। बात यह है कि जब पिछले टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी में कोई और बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया था, लेकिन मैंने 50 रन बनाए थे। मुझे लगा कि मैंने टीम के लिए योगदान दिया, खासकर उस आखिरी मैच में, जिसे हमने जीता।

घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को इंटरनेशनल लेवल पर दोहरा नहीं पाए : कर्नाटक से रिलीज होने के बाद विदर्भ में नई शुरुआत करने वाले नायर ने रनों की बौछार लगाई थी। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी प्रभावी प्रदर्शन किया, जिसने उन्हें टीम इंडिया का टिकट दिलाया। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद करुण से अनुभवी बैटर के तौर पर अच्छे खेल की आस थी, लेकिन वो घरेलू क्रिकेट के अपने शानदार प्रदर्शन को इंटरनेशनल लेवल पर दोहरा नहीं पाए और अब, 33 साल की उम्र में,उनका यह कमबैक छोटा साबित हो गया।

करुण नायर ने इंग्लैंड दौरे पर 5 में से चार टेस्ट मैच खेले,जिसमें उन्होंने 25.62 के एवरेज से 205 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक जड़ा। वो अर्धशतक उन्होंने ओवल टेस्ट मैच में जड़ा था, जहां भारत ने जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी कर ली थी।

भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से पहले टीम को लगा बड़ा झटका,चोट के चलते बाहर हुए शमार जोसेफ

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2025। वेस्टइंडीज को अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। वेस्टइंडीज के खतरनाक तेज गेंदबाज और पेस अटैक के अगुआ शमर जोसेफ चोट के कारण बाहर हो गए हैं। 24 वर्षीय शमर जोसेफ, जो जेडॉन सील्स के साथ कैरेबियाई तेज गेंदबाजी इकाई के अगुआ हैं अब भारत के दौरे पर नहीं आएंगे। उनकी जगह वेस्टइंडीज की टीम में नए ऑलराउंडर जोहान लेने को शामिल किया गया है।

चोट की प्रकृति का खुलासा नहीं : क्रिकेट वेस्टइंडीज ने जोसेफ की चोट की प्रकृति का खुलासा नहीं किया है, लेकिन बोर्ड ने पुष्टि की है कि भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के तुरंत बाद शुरू होने वाले बांग्लादेश के सीमित ओवरों के दौरे से पहले उनकी स्थिति का फिर से आकलन किया जाएगा। वेस्टइंडीज का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। 14 अक्टूबर को भारत के खिलाफ सीरीज समाप्त होने के बाद,वे 18 अक्टूबर से बांग्लादेश में तीन वनडे मैच खेलेंगे, उसके बाद 1 नवंबर तक तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगे। इसके बाद टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी, जहां वह सभी फॉर्मेट में खेलेगी। जोसेफ की अनुपस्थिति महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने केवल 11 टेस्ट मैचों में 21.66 की औसत से 51 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पहले मैच में पांच विकेट लेकर सुर्खियां बटोरीं और तब से वे लाल गेंद वाले क्रिकेट में टीम के सबसे लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं।

जोहान लेने का घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन : उनकी जगह 22 वर्षीय जोहान लेने आए हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट और वेस्टइंडीज ए के लिए खेलते हुए प्रभावित किया है। निचले क्रम में आसानी से रन बनाने में सक्षम दाएं हाथ के तेज गेंदबाज लेने ने 19 प्रथम श्रेणी मैचों में 22.28 की औसत से 66 विकेट लिए हैं, जिसमें चार बार पांच विकेट भी शामिल हैं।

रायपुर की स्टील फैक्ट्री में हादसा,6 कर्मचारियों की मौत

6 झुलसे,इनमें 2 की हालत नाजुक,घायलों में यूपी-बिहार-बंगाल के मजदूर

रायपुर,26 सितम्बर 2025। रायपुर के सिलतरा में निजी स्टील फैक्ट्री में शुक्रवार को लोहे की गर्म चीज गिरने से 6 कर्मचारियों की मौत हो गई। 6 अन्य घायल हो गए हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। घायलों को इलाज के लिए देवेंद्र नगर स्थित निजी अस्पताल लाया गया है। मामला धरसींवा थाना क्षेत्र का है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने बताया कि मेंटेनेंस के दौरान हादसा हुआ। छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार और आंध्र प्रदेश समेत अलग-अलग राज्य के कर्मचारी काम कर रहे थे। 5 घायलों से वे मिले वे अब ठीक हैं। कुछ को ज्यादा चोटें आई हैं। वहीं निजी स्टील प्लांट के अंदर पुलिस के आलाधिकारी समेत स्क्रू ब्रूड मौजूद रहे। वहीं बड़ी तादाद में स्थानीय और मृतकों के परिजन ने प्लांट को घेर रखा। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री निर्माणाधीन है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर दुख जताया है। प्रशासन को घायलों के इलाज की बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

नियम के अलावा भी बेहतर मुआवजे की कोशिश की जाएगी : प्लांट मैनेजमेंट के अधिकारी ने कहा कि नियम के तहत तो मुआवजा दिया ही जाएगा, कंपनी कोशिश करेगी कि उससे बेहतर भी जो कुछ किया जा सके, वह किया जाएगा। छत्तीसगढ़, झारखंड,

मेंटनेंस के दौरान फैक्ट्री में हादसा,अलग-अलग राज्य के थे कर्मचारी : विधायक अनुज शर्मा

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने बताया कि 5 घायलों से मिलकर आ रहा हूं। मेंटेनेंस चल रहा था। मेंटेनेंस के दौरान हादसा हुआ है। हादसे के वक्त जनरल मैनेजर लेवल के अधिकारी भी मौजूद थे। इनमें से कुछ अधिकारियों की हालत गंभीर है। हादसे में छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्रप्रदेश के शामिल कर्मचारी शामिल हैं। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने बताया कि डिप्टी लेवल के कर्मचारी, फोरमेन और सफाई कर्मी भी मौजूद थे। हादसे को लेकर कर्मचारियों को कोई अंदाजा नहीं हो पाया कि कैसे हादसा हुआ है। सब कुछ अचानक से हुआ है। हालांकि अभी हादसे की जांच होगी तो सब कुछ साफ होगा। अनुज शर्मा ने बताया कि मरने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है कि वह कहां के रहने वाले थे, फैक्ट्री में क्या काम कर रहे थे, किस लेवल के कर्मचारियों की डेथ हुई है अभी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रबंधन को जल्द ही डिटेल में जानकारी मांगी गई है।

पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार और आंध्र प्रदेश समेत अलग-अलग राज्य के कर्मचारी काम कर रहे थे। मृतक कहां के रहने वाले थे, जानकारी जुटाई जा रही है। प्लांट के अंदर गर्म स्लैक गिरने से हादसा हुआ है।

फैक्ट्री के बाहर लोगों की भीड़ बड़ी संख्या में पुलिस तैनात

धरसींवा स्थित निजी फैक्ट्री के बाहर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे हैं। साथ ही एम्बुलेंस भी मौजूद हैं, ताकि रेस्क्यू के बाद फौरन घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाए। पुलिस भी बड़ी संख्या में तैनात है।

सीएम साय ने हादसे पर जताया दुख

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला प्रशासन को घायलों के इलाज की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दुर्घटना पर दुःख जताया है।

अंदर कोई नहीं,सभी को अस्पताल ले जाया गया : एडीएम यूएस बंदे

रायपुर एडीएम यूएस बंदे ने बताया कि अभी तक मिली जानकारी के अनुसार 6 लोगों की मौत हुई है। 6 घायल हैं। इनमें अधिकारी लेवल के कर्मचारी भी हैं। जांच के बाद हादसे का स्पष्ट कारण पता चल सकेगा। अभी अंदर कोई नहीं है। सभी को अस्पताल ले जाया गया है। निजी स्टील फैक्ट्री में हुए हादसे के बाद, घायल कर्मचारियों को इलाज के लिए लगातार देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा अस्पताल लाया जा रहा है। कई और कर्मचारियों को एम्बुलेंस से लाया जा रहा है।

नक्सली कमांडर रामचंद्र रेड्डी मामले में स्ष्ट का बड़ा फैसला शव सुरक्षित रखने का आदेश

रायपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में कथित फर्जी मुठभेड़ में मारे गए शीर्ष माओवादी कमांडर रामचंद्र रेड्डी उर्फ राजू दादा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक उच्च न्यायालय इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं देता, तब तक रेड्डी के शव का दाह संस्कार या दफन नहीं किया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने दिया। उन्होंने कहा कि मामला गंभीर प्रकृति का है और याचिका पर सुनवाई पूरी होने तक शव को अस्पताल में संरक्षित रखा जाए। इसके साथ ही अदालत ने उच्च न्यायालय को दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद प्राथमिकता के आधार पर मामले की सुनवाई करने के निर्देश भी दिए हैं।

बेटे ने लगाया फर्जी मुठभेड़ और प्रताड़ना का आरोप

यह याचिका रेड्डी के बेटे राजा चंद्रा ने दाखिल की थी। उनकी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता को पुलिस ने हिरासत में लेकर प्रताड़ित किया और फिर फर्जी मुठभेड़ में मार गिराया। उनका आरोप है कि पुलिस अब जल्दबाजी में शव का अंतिम संस्कार कर सबूत मिटाना चाहती है। गोंजाल्विस ने स्वतंत्र एजेंसी, विशेष रूप से सीबीआई से जांच की मांग की और पुनः पोस्टमॉर्टम कराने की भी अपील की।

परीक्षा में एक और गड़बड़ी का मामला

हाईकोर्ट ने सीजीपीएससी को जारी किया नोटिस

बिलासपुर,26 सितम्बर 2025। सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा में एक और गड़बड़ी का मामला सामने आया है। साक्षात्कार के समय मूल स्थायी जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए बगैर मेरिट में छात्र का चयन हो गया। अभ्यर्थी के इस चयन को दिग्विजय दास सिरमौर ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को नोटिस जारी किया है और पूरा रिकार्ड पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को तय की गई है। याचिकाकर्ता दिग्विजय दास सिरमौर ने कहा है कि विज्ञापन की शर्तों के क्लाज 10 (डी) में स्पष्ट लिखा है कि उम्मीदवार को इंटरव्यू के समय एसएमडी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाणपत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो उम्मीदवार की उम्मीदवारी स्वतः रद्द मानी जाएगी। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता वाय सी. शर्मा ने कोर्ट को बताया कि चयनित उम्मीदवार प्रदीप कुमार सोनकर ने इंटरव्यू के समय मूल जाति प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया और न ही बाद में मान्य प्रमाणपत्र पेश किया है। ऐसे में उसकी उम्मीदवारी पहले ही निरस्त हो जानी चाहिए थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की बेंच ने सीजीपीएससी से पूछा कि प्रदीप कुमार सोनकर ने इंटरव्यू के समय मूल स्थायी जाति प्रमाणपत्र दाखिल किया था या नहीं। कोर्ट ने आयोग को नोटिस जारी कर पूरा रिकार्ड और नोटशीट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

गणपति स्टील संचालकों पर 78 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप,मामला दर्ज

रायपुर,26 सितम्बर 2025। थाना उरला क्षेत्र में संचालित सार्थक इस्पात प्रा. लि. के संचालक सचिन गर्ग ने आर. आर. इंटरप्राईजेस के संचालक जसबीर आहलूवालिया और गणपति स्टील के संचालक खुशाल डोडेजा के खिलाफ षड्यंत्रपूर्वक धोखाधड़ी और अमानत में खयानत करने का मामला दर्ज कराया है। प्रार्थी ने अपनी शिकायत में कहा कि आरोपीगण ने उसे कुल 223.96 टन बिलेट बेचे, जिसकी कुल लागत 1,03,06,640/- रुपये है, लेकिन अब तक शेष 78,06,640/- रुपये का भुगतान नहीं किया गया। सचिन गर्ग ने अपनी शिकायत में बताया कि गणपति स्टील के संचालक खुशाल डोडेजा उनके लंबे समय से परिचित रहे हैं और उन्हीं के माध्यम से आर. आर. इंटरप्राईजेस से व्यापार स्थापित हुआ। फरवरी 2024 में आर. आर. इंटरप्राईजेस ने 225 टन बिलेट का आर्डर दिया, जिसे सार्थक इस्पात प्रा. लि. ने क्रमिक रूप से पूरा किया। शुरुआती समय में आर. आर. इंटरप्राईजेस ने कुल 25,00,000/- रुपये का भुगतान किया ताकि प्रार्थी का भरोसा जीत सकें। इसके बाद शेष राशि 78,06,640/- रुपये का भुगतान करने का आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री साय ने की बड़ी घोषणा:छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा 21 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

रायपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया है। साथ ही ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट का अनुमोदन, वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुतिकरण और अनुमोदन, वर्ष 2025-26 के लिए ऑडिटर की नियुक्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण एजेंडा पर चर्चा की गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह का होगा प्रारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब छत्तीसगढ़ से ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इन प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और निखारने के लिए हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत है। हमने बंद हुए खेल अलंकरण समारोह को पुनः प्रारंभ किया है और जल्द ही उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मान समारोह भी प्रारंभ किया जाएगा।

खेलो इंडिया के नए परिसरों की शुरुआत : सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया के नए परिसरों की शुरुआत की गई है। कुछ महीने पहले केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का भी छत्तीसगढ़ आगमन हुआ था,जहां हमने उनसे खेल अधोसंरचना के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की। विशेषकर ओलंपिक खेलों को लेकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हमने विशेष तैयारी की है। ओलंपिक खेलों में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए,रजत पदक विजेताओं को दो करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को एक करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया गया है। स्वाभाविक रूप से इससे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होगा।

ओलंपिक खेलों के लिए भारत की मेजबानी का प्रस्ताव

सीएम साय ने कहा कि 2036 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओलंपिक खेलों के लिए भारत की मेजबानी का प्रस्ताव रखा है और अहमदाबाद शहर को इसके लिए प्रस्तावित किया गया है। स्वाभाविक रूप से केंद्र सरकार का पूरा ध्यान देश में खेलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर है, ताकि एक दशक के भीतर हम खेलों के क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभर सकें। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी हमें राष्ट्रीय स्तर के खेलों के आयोजन हेतु सामूहिक प्रयास करना होंगे। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर ओलंपिक जैसी खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई है, जिससे सुदूर वनांचल की खेल प्रतिभाओं को एक सुनहरा मंच मिला है।

संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान है : मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा

रायपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर के विवेकानंद सभागार में नव नियुक्त सिविल जज (कनिष्ठ वर्ग) हेतु आयोजित प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण के समापन सत्र का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय रमेश सिन्हा के गरिमामय नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 30 जून 2025 से शुरू हुई थी। जिसका समापन आज 26 सितम्बर 2025 को हुआ। मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने संबोधन में अपने अमूल्य विचार प्रशिक्षु न्यायाधीशों के साथ साझा किए। उन्होंने न्यायिक कार्यप्रणाली में निष्ठा, संवेदनशीलता एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया और युवा न्यायाधीशों को विनम्रता एवं करुणा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सदैव विधि के विद्यार्थी बने रहने का आह्वान किया।

मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने कहा कि नागरिकों के लिए न्याय प्राप्ति का पहला संपर्क बिंदु न्यायपालिका में प्रवेश स्तर पर न्यायाधीश होते हैं और पक्षकारों की न्यायपालिका के प्रति धारणा प्रायः न्यायालय में न्यायाधीशों के आचरण से ही निर्मित होती है। अतः शिष्टाचार, समयनिष्ठ और करुणा को उनके न्यायिक चरित्र का अभिन्न

अंग बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और दृढ़ता का संतुलन ही एक सच्चे न्यायाधीश की पहचान है। वे सभी स्मरण रखें कि न्यायाधीशों को पहचान केवल एक वस्त्र नहीं है, यह समाज द्वारा न्यायाधीशों पर जताए गए विश्वास का प्रतीक है। समापन सत्र के अन्त में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने आशा व्यक्त की कि न्यायाधीश अपने पूरे कार्यकाल में विधि के विद्यार्थी बने रहें, क्योंकि विधि निरंतर परिवर्तनशील है। विनम्रता और सीखना आपका मार्गदर्शन करे, नैतिकता और निष्पक्षता न्यायाधीशों का आधार बने तथा संविधान के प्रति समर्पण न्यायाधीशों को प्रेरित करता रहे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्रीमती रजनी दुबे, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। नव नियुक्त सिविल जजों के लिए तीन माह का यह प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें आधारभूत ज्ञान,व्यावहारिक कौशल एवं न्यायिक दृष्टिकोण से सुसज्जित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वैधानिक एवं प्रक्रम संबंधी विधियों, न्यायालयों में तकनीक के उपयोग,नैतिकता एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता जैसे विविध विषयों को सम्मिलित किया गया। साथ ही, प्रभावी न्यायालय प्रबंधन एवं वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों पर विशेष बल दिया गया। यह कार्यक्रम उनके प्रशिक्षण के प्रथम चरण की समाप्ति का प्रतीक है,जिसके उपरांत अधिकारीगण अपने-अपने पदस्थापनों पर नवीन ऊर्जा, प्रतिबद्धता एवं न्याय के प्रति समर्पण के साथ कार्यभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल एवं उच्च न्यायालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक द्वारा तथा आभार प्रदर्शन अतिरिक्त निदेशक द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश एवं सभी विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति हेतु कृतज्ञता व्यक्त की।

पेंशन घोटाले पर हाईकोर्ट हुआ सख्त,कहा ऐसे मामलों में नहीं होगा कोई समझौता

रायपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि पेंशन और रिटायरमेंट लाभ जारी करने के नाम पर रिश्वत या धोखाधड़ी सिर्फ निजी विवाद नहीं है, बल्कि समाज पर गंभीर असर डालने वाला अपराध है। इसलिए ऐसे मामलों में पक्षकारों के बीच समझौता हो जाने के बाद भी एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की बेंच ने यह आदेश दिया।

क्या है मामला : बिलासपुर में एक सरकारी क्लर्क और अधिकारी ने मृत शिक्षक की विधवा से पेंशन और ग्रेच्युटी जारी करने के नाम पर 2 लाख रुपए की मांग की थी।

महिला ने मजबूरी में चेक दिया, जिसके जरिए 2.8 लाख रुपए निकाले गए। जबकि पेंशन का काम अब तक लंबित है। बता दें कि 20 जून 2025 को इस मामले में एफआईआर हुई थी। आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई कि समझौता हो चुका है, इसलिए एफआईआर रद्द की जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह मांग खारिज कर दी।

रायपुर में नक्सल दंपति के शहरी नेटवर्क बनाने की साजिश नाकाम,सोने का बिस्कुट और नकदी बरामद

बिलासपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने माओवादी संगठन के शहरी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। मुखबिर से मिली गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने 24 सितंबर 2025 को चंगोराभाठा इलाके से एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने खुद को माओवादी संगठन से जुड़ा हुआ स्वीकार किया और राजधानी में रहकर नक्सली संगठन के लिए काम करने की बात कबूल की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगू कुरसम उर्फ रवि उर्फ रमेश (28 वर्ष) निवासी ग्राम सावनार, थाना गंगालुर, जिला बीजापुर और उसकी पत्नी कमला कुरसम (27 वर्ष) निवासी ग्राम सावनार,थाना गंगालुर,जिला बीजापुर के रूप में हुई है।

शहरी नेटवर्क बनाने का काम कर रहे थे : पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले कुछ समय से रायपुर में रहकर नक्सली संगठन के लिए सक्रिय थे। इनका मुख्य कार्य शहर में रसद उपलब्ध कराना, बीमार माओवादियों का इलाज कराना, बड़े कॉडरों को आश्रय स्थल उपलब्ध कराना और शहरी नेटवर्क का विस्तार करना था। यह नेटवर्क माओवादियों को शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित ठिकाना दिलाने और आर्थिक संसाधन जुटाने का काम करता है।

कस्टम मिलिंग घोटाला...रायपुर में बड़े बिल्डर के घर ईडी रेड

बिलासपुर में सुल्तानिया-ग्रुप के ठिकानों पर छापा,प्रॉपर्टी खरीदी-बिक्री के दस्तावेज खंगाल रही टीम

बिलासपुर,26 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में ईडी की टीम ने शुक्रवार सुबह रायपुर, बिलासपुर और धमतरी में कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी के मुताबिक ये छापा कस्टम मिलिंग घोटाले से जुड़ा है।

घोटाले के पैसों से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री की गई है। इसी को लेकर ईडी की टीम जांच कर रही है। ईडी ने रायपुर में रहेजा ग्रुप के ठिकानों पर छापा मारा है। बिलासपुर में सुल्तानिया ग्रुप के मीनाक्षी सेल्स के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि वित्तीय लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग केस में छापेमारी की गई है। सुबह से ईडी की टीम घर के अंदर दस्तावेज खंगाल रही है।

रायपुर में रहेजा ग्रुप के ठिकानों पर दबिश

रायपुर के जवाहर मार्केट स्थित रहेजा ग्रुप के संचालक रहेजा के घर और ऑफिस पर शुक्रवार सुबह से ही ईडी की टीम मौजूद है। अधिकारी दस्तावेज, फाइलों और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। घर के भीतर कागजातों की जांच और पूछताछ की जा रही है।

बिलासपुर में सुल्तानिया ग्रुप पर छापा

इसी तरह बिलासपुर में ईडी की टीम ने सुबह-सुबह सुल्तानिया परिवार के क्रांति नगर स्थित आवासीय और कारोबारी ठिकानों पर दबिश दी। सुल्तानिया ग्रुप के मीनाक्षी सेल्स के ठिकानों पर ईडी की टीम रिकॉर्ड, बैंक स्टेटमेंट और वित्तीय दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है। बिलासपुर में मीनाक्षी सेल्स, सुल्तानिया ग्रुप का कारोबार है, जो कोयला, सीमेंट, छड़, स्टील और अन्य ट्रेडिंग से जुड़ा हुआ है। वहीं, कार्रवाई के चलते इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)